

बिहार में महिलाओं के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल



प्रातः किरण संवाददाता

पटना। डीबीटी-वेलकम इंडिया एलायंस द्वारा वित्तपोषित रअलएछक अध्ययन समूह के अंतर्गत एम्स पटना द्वारा 13 जून 2026 को पटना में 'बिहार में स्त्री रोग स्वास्थ्य में सुधार एवं हिस्टरेक्टॉमी के विवेकपूर्ण उपयोग विषय पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजू अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा अनावश्यक हिस्टरेक्टॉमी (गर्भाशय नििकासन) को रोकने और बिहार में महिलाओं

के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथियों के रूप में पद्मश्री डॉ. नीरजा भाटला, पूर्व विभागाध्यक्ष, एम्स नई दिल्ली तथा डॉ. अशोक कुमार, निदेशक, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली ने बैठक को संबोधित किया। उन्होंने विशेष रूप से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से सामान्य स्त्री रोग संबंधी समस्याओं के वैकल्पिक उपचारों की उपलब्धता बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। बैठक में रअलएछक अध्ययन के अंतर्गत बिहार में हिस्टरेक्टॉमी से संबंधित



नए निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए। यह अध्ययन आईआईपीएस-मुंबई, पोपुलेशन काउंसिल इंस्टीट्यूट, एम्स नई दिल्ली तथा टीजीआई के सहयोग से संचालित किया गया है। अध्ययन में राज्यव्यापी सर्वेक्षण, चिकित्सीय ऑडिट की समीक्षा तथा चिकित्सा पाठ्यपुस्तकों के विश्लेषण को शामिल किया गया।

राज्यभर से आए प्रतिष्ठित स्त्री रोग विशेषज्ञों ने पैनल चर्चा एवं विचार-विमर्श सत्रों में भाग लिया तथा चिकित्सा ऑडिट, हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी की उपलब्धता एवं वैकल्पिक उपचारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर

अपने विचार साझा किए। डॉ. सरिता, राज्य स्वास्थ्य समिति (रखर) की स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर ने बताया कि बिहार सरकार ने हाल ही में निजी एवं सरकारी क्षेत्रों में किए जाने वाले हिस्टरेक्टॉमी ऑपरेशनों की निगरानी हेतु एक राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति का गठन किया है। डॉ. मुक्ता अग्रवाल, विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स पटना तथा रअलएछक अध्ययन की सह-प्रधान अनेषक (उद्घ-हक) ने कहा, बिहार के लिए यह स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का एक महत्वपूर्ण अवसर है। महिलाओं को अत्यधिक

मासिक रक्तस्राव जैसी सामान्य समस्याओं के उपचार हेतु उच्च गुणवत्ता वाले विकल्प उपलब्ध कराए जाने चाहिए, ताकि आवश्यकता न होने पर उन्हें हिस्टरेक्टॉमी का सहारा न लेना पड़े।

डॉ. नीरजा भाटला ने कहा, हकम आयु में 'बिना उचित चिकित्सीय आवश्यकता के की गई हिस्टरेक्टॉमी महिलाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। आज अनेक सुरक्षित एवं संरक्षणात्मक उपचार उपलब्ध हैं, जिन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि महिलाओं को जीवन के प्रत्येक चरण में गुणवत्तापूर्ण स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। इस बैठक में बिहार के प्रमुख स्त्री रोग विशेषज्ञों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही और महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव एवं विचार साझा किए गए।

पटना डीएम ने दतियाना विष्णु मंदिर की सुरक्षा बढ़ाई

■ अष्टधातु मूर्ति चोरी के बाद भाजपा ने उठाई आवाज, डीएम ने गेट पर 2 होमगार्ड व सीसीटीवी लगाने के दिे निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिक्रम विधानसभा अंतर्गत दतियाना स्थित प्राचीन विष्णु मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आज भाजपा के पूर्व प्रत्याशी अतुल कुमार एवं पटना जिला ग्रामीण जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार ने जिले के डीएम से मुलाकात कर विस्तृत जापन सौंपा। जापन में अतुल कुमार ने पटना को अवगत कराया कि दतियाना के इस प्राचीन मंदिर से विगत वर्ष अष्टधातु निर्मित भगवान विष्णु की बहुमूल्य प्रतिमा चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में संबंधित विभाग एवं स्थानीय थाना को पूर्व में लिखित सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया गया था, परंतु खेदनाट्य के कि अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। पत्र में कहा गया कि उखन के दौरान प्राप्त ये मूर्तियां पुरात्विक दृष्टिकोण से अत्यंत प्राचीन



एवं महत्वपूर्ण हैं, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत आज करोड़ों रुपये में है। वर्तमान में मंदिर में अन्य प्राचीन मूर्तियां भी स्थापित हैं।

जिनकी सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं में गहरी चिंता व्याप्त है। मंदिर को सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कमजोर होने के कारण भविष्य में पुनः चोरी एवं असामाजिक तत्वों द्वारा धरोहर को क्षति पहुंचाए जाने की प्रबल आशंका बनी हुई है। भाजपा नेताओं के आग्रह पर जिलाधिकारी ने त्वरित सज्जन लेते हुए अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि मंदिर परिसर के मुख्य गेट पर तत्काल दो होमगार्ड जवानों की तैनाती की जाए और मंदिर की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापित किए जाएं। जिलाधिकारी ने इस संबंध में

आदेश भी जारी करने को कहा है। डीएम 'इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भाजपा नेता अतुल कुमार ने कहा कि हृदयितयाना मंदिर हमारी सांस्कृतिक विरासत है। करोड़ों रुपये मूल्य की प्राचीन मूर्तियों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। जिलाधिकारी महोदय ने हमारी बात को गंभीरता से सुना और तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया। अब कृष्ण से ही दो होमगार्ड जवान वहां सुरक्षा व्यवस्था में तैनात हो जाएंगे। हम डीएम महोदय का आभार व्यक्त करते हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि मंदिर परिसर में प्रकाश व्यवस्था, चारदीवारी की मरम्मत व रात्रि गश्त को भी अगले चरण में शामिल किया जाएगा ताकि हमारी धरोहर पूरी तरह सुरक्षित रहे।

संक्षिप्त खबरें

घर से शराब का जखीरा बरामद, दो कारोबारी गिरफ्तार

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने शनिवार सुबह सम्मसपुर मोहल्ले में छापेमारी कर एक घर से अंग्रेजी शराब और बीयर का बड़ा जखीरा बरामद किया। नदी थाना अध्यक्ष सहाय हुसैन के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान 80 पीस बीयर, ऑफिसर्स चॉइस के 80 टेद्रा पैक, रॉयल स्टेग के 9 बोतलें समेत विभिन्न ब्रांडों की शराब जब्त की गई। पुलिस ने मौके से दो कथित शराब कारोबारियों अविनाश कुमार और अभिजीत कुमार को गिरफ्तार किया, जो सम्मसपुर निवासी जय प्रकाश भाले के पुत्र बताए जाते हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विवाहिता रूबी सिंह का उपचार के दौरान मौत

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार को जीवन व मौत से जुड़ा रही विवाहिता रूबी सिंह का शनिवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। रूबी को गंभीर हालत में नौ जून को सुना खगोल रोड स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खबर पाकर पहुंचे विवाहित के पिता उदवंतनगर के सरथुआ निवासी राजेश सिंह ने दानापुर थाना में दवाज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया था और रूबी के पुत्री रूबी सिंह के पति, सास व अन्य को आरोपित किया था। पुलिस ने आरोपित सास कोशल्या देवी को तत्काल गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जबकि अन्य फरार हो गए थे। राजेश सिंह ने बताया कि रूबी को ससुराल में अभी भी रूपए के लिए प्रताड़ित की जा रही थी। इसको ढाई तीन साल का एक लड़का भी है। रूबी की शादी मेजरगंज थाना क्षेत्र के बखीटी निवासी शशि शेखर के साथ 2022 में हुआ था।

लाल कोठी स्थित प्रेरणा छात्रावास में समर कैप हुआ समापन

दानापुर। नगर के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव का उद्देश्य मनोरंजन करना नहीं, बल्कि छात्राओं के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों एवं जीवन कौशल का विकास करना है। ये बातें नारी गुंजन के सचिव पद्मश्री सुधा रम्यांज ने लाल कोठी स्थित प्रेरणा छात्रावास में समर कैप के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही। कैप में विभिन्न जगहों से आई सौहार्दपूर्ण सौ महिलाएँ बच्चियों को छह दिन एक साथ रहकर सीखने का अवसर मिला। समापन समारोह का उद्घाटन पद्मश्री सुधा रम्यांज, एसएसबी के डिप्टी कमिंडेंट सुनील पासवान, एसडीएम अनिरुद्ध पाण्डेय, आईटीआई दीपा के प्राचार्य विकास चन्द्रा, बैंक आफ बड़ौदा के विजय प्रकाश समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मरम्मत कार्य के कारण रविवार को छह घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

फतुहा। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल फतुहा के अंतर्गत दीदारगंज विद्युत उपकेंद्र के टेंट सिटी फीडर-1 में रविवार को आवश्यक मरम्मत कार्य किए जाने के कारण सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। कनीय अभियंता विनीत कुमार ने बताया कि कार्य को सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए निर्धारित अवधि में फीडर से जुड़े मर्चा, मर्ची, मर्ची लॉक रोड, महादेव स्थान, बारहलीन स्कूल रोड, मर्चा गांव, देववामचक, भैंसलेटा, महुली गांव समेत आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

प्रातः किरण संवाददाता

➤ पीएम मोदी का 12 वर्षों का कार्यकाल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण का स्वर्णिम अध्याय : संजय गुप्ता

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शनिवार को बिक्रम पुरानी बाजार स्थित सामुदायिक भवन में भाजपा पटना ग्रामीण द्वारा आयोजित 12 साल विश्वास के, विकास के और जनकल्याण के मीडिया संवाद कार्यक्रम को कुम्हार विधायक संजय गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। इस दौरान भाजपा विधायक संजय गुप्ता केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों और भविष्य की



योजनाओं का विस्तृत खाका पत्रकारों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पत्रकारों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हुए सरकार की नीतियों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी प्रश्नों का बेबाकी से जवाब दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत-2047 का जो सपना देखा है,

उसमें बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि देश और बिहार दोनों समृद्धि एवं विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं और केंद्र तथा राज्य सरकार मिलकर इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही हैं। मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार एवं संचालन कार्यक्रम प्रभारी तेज नारायण शर्मा ने किया।

मुख्य वक्ता कुम्हार विधानसभा के भाजपा विधायक संजय कुमार गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों का कार्यकाल को सेवा, सुशासन और गरीब कल्याणहक का स्वर्णिम अध्याय बताते हुए कहा कि 4399 दिन में देश ने हर क्षेत्र में ऐतिहासिक छलांग लगाई है। वहीं जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार ने कहा कि पटना एयरपोर्ट का नया टर्मिनल इस बात का प्रमाण है कि बिहार बदल रहा है। भाजपा नेता अतुल कुमार ने कहा कि ह्युपुलिस दीदीह योजना के तहत बैतियां की सुरक्षा के लिए पंचपर बल तैनात किया गया है। कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस हमारी सरकार की पहचान है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज ह्यविश्व मित्रह बन रहा है और बिहार ह्यविकसित बिहारहक की ओर तेजी

राज्यपाल करेंगे सर्वश्रेष्ठ वॉलेंट्ीयर को सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना- नई शिक्षा नीति को लेकर सीए संजय कुमार झा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन जी मिमिकर वॉलेंट्ीयरशिप के कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा किया। प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने वॉलेंट्ीयरशिप के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, नरशा मुक्ति अभियान, प्लास्टिक मुक्त भारत, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें स्वयंसेवक बड़ चढ़ कर भाग ले

रहे हैं। सामुदायिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान करने वाले स्वयंसेवक को सम्मानित करने का आग्रह प्रतिनिधि मंडल ने किया जिसे राज्यपाल महोदय ने सहर्ष स्वीकार किया है। नई शिक्षा नीति में वॉलेंट्ीयरशिप और इंटरशिप को शामिल कर बहुत ही महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब छात्रों को समुदाय से जुड़ने और सामाजिक मुद्दे को समझने का अवसर प्राप्त हो रहा है। तीस घंटा के वॉलेंट्ीयरशिप में वॉलंटियर प्रतिदिन दो घंटा समाज के बेहतरी के लगा रहे हैं। एनजीओ हेल्पलाइन के पूनम झा ने एनजीओ के कार्यों के बारे में बताया।

स्व. डॉ. ब्रज बिहारी प्रसाद की 28वीं पुण्यतिथि पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में उमड़ा जनसैलाब

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं जनप्रिय नेता अमर शहीद स्व. डॉ. ब्रज बिहारी प्रसाद जी की 28वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पटना स्थित 20, बेली रोड के स्व. ब्रज बिहारी प्रसाद स्मृति संग्रहालय परिसर में भव्य सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर स्व. ब्रज बिहारी प्रसाद जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर बिहार के माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी ने स्व. ब्रज बिहारी प्रसाद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया तथा कहा कि उन्होंने बिहार की राजनीति और समाज सेवा के क्षेत्र

में अमिट छाप छोड़ी है। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप जायसवाल जी, बिहार सरकार की समाज कल्याण मंत्री श्रीमती श्वेता गुप्ता जी, पश्चिम चंपारण के सांसद डॉ. संजय जायसवाल जी, मंत्री श्री नारायण प्रसाद जी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री शाहनवाज हुसैन जी, सहकरिता मंत्री श्री राम कुणाल यादव जी, पूर्व मंत्री श्री समीर महासेठ जी, विधान परिषद सदस्य श्री जीवन कुमार जी, विधायकी राणा रणधीर जी, विधायक श्री लाल बाबू गुप्ता जी, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक पवन जयसवाल जी, राष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष साहू भूपाल भारती, नरकटियागंज विधायक श्री विशाल प्रशांत शाह जी, वरिष्ठ नेता श्री पी. के. चौधरी जी, सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपनी प्रस्थिति दर्ज कराई।

पीटर इंग्लैंड ने बिहार में खोला अपना सबसे बड़ा स्टोर, नई रिटेल पहचान की शुरुआत

■ कंकड़बाग स्थित नए फ्लैगशिप स्टोर के साथ ब्रांड ने शुरू किया आधुनिक रिटेल अनुभव का नया अध्याय

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड के लोकप्रिय मेन्सवियर ब्रांड पीटर इंग्लैंड ने बिहार में अपने सबसे बड़े स्टोर के उद्घाटन के साथ अपनी नई रिटेल पहचान पेश की है। पटना के कंकड़बाग में स्थित यह फ्लैगशिप स्टोर करीब 3,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में दो मॉडलों पर फैला हुआ है और यह देश का पहला पीटर इंग्लैंड स्टोर है, जहां ब्रांड की नई रिटेल पहचान को प्रदर्शित किया गया है।

यह नया स्टोर ग्राहकों को पीटर इंग्लैंड की पूरी दुनिया का अनुभव



एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराता है। यहां प्रतिष्ठित ग्रिफिन लोगो वाले डेनिम, क्रिकेट से प्रेरित लाइफस्टाइल कलेक्शन द जेंटलमैन्स लीग, आकर्षक फॉर्मल वियर और ह्वाड बॉलीवुड वेलिंग कलेक्शन के लिए तैयार परिधान उपलब्ध हैं। गुणवत्ता, बेहतरीन कारीगरी और बेहतर खरीदारी अनुभव को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह फ्लैगशिप स्टोर भारत

में पीटर इंग्लैंड की नई रिटेल यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है। पीटर इंग्लैंड की यह नई पहचान उसके विकास की अगली कड़ी है। 1889 में लंदनडेरी से शुरू हुई इस विरासत ने भारत में पिछले लगभग 30 वर्षों के दौरान भरसे, गुणवत्ता और सुवर्ण फैशन की मजबूत पहचान बनाई है। अब ब्रांड उत्पादों, स्टोरीटेलिंग, ब्रांड पहचान और रिटेल अनुभव के स्तर पर खुद को नए दौर के अनुरूप ढाल रहा है,

ताकि वह आधुनिक और प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हुए अपने मूल मूल्यों को बरकरार रख सकें। स्टोर का नया बाहरी स्वरूप (फैकेड) ब्रांड की अधिक परिष्कृत और आत्मविश्वासी पहचान को दर्शाता है। वहीं, इसमें लगी डायनेमिक डिजिटल स्क्रीन ग्राहकों को वित्तापनों, उत्पादों और ब्रांड की कहानियों से जोड़ने का एक आधुनिक माध्यम बनती है, जो समय और सीजन के साथ बदलती रहती है। स्टोर के अंदर भी ब्रांड की विरासत को खूबसूरती से पिरोया गया है। पीटर इंग्लैंड के प्रतिष्ठित प्रिंस ऑफ वेल्स चेक डिजाइन और ट्रायल रूम्स में किया गया है। इसके अलावा, ग्रिफिन पहचान, शर्ट निर्माण की विरासत और कारीगरी से जुड़े डिजाइन तत्व पूरे स्टोर में देखने को मिलते हैं, जिससे यह जगह एक साथ परिचित भी लगती है और

पूरी तरह आधुनिक भी। इस अवसर पर पीटर इंग्लैंड के चीफ बिजनेस ऑफिसर आनंद अय्यर ने कहा, ह्यबिहार हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, जहां गुणवत्ता और स्टाइल के प्रति लोगों की पसंद लगातार बढ़ रही है। पटना का यह फ्लैगशिप स्टोर हमारे नए रिटेल अध्याय की शुरुआत है। हमारी नई पहचान आधुनिकता और प्रीमियम अनुभव को उस विरासत और कारीगरी के साथ जोड़ती है, जिसने शुरुआत से ही पीटर इंग्लैंड को खास बनाया है। हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 के अंत तक इस नई रिटेल पहचान को देशभर के 100 स्टोर्स तक पहुंचाना है। ब्रांड की नई डिजाइन सोच पर पकड़ का डाला।

संयुक्त नाई (सैन) एकता महासम्मेलन सामाजिक एकता और विकास का सशक्त मंच : डॉ. प्रेम कुमार

प्रातः किरण संवाददाता

बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार आज पटना स्थित रविंद्र भवन में संयुक्त नाई (सैन) एकता मंच द्वारा आयोजित भव्य संयुक्त नाई (सैन) एकता महासम्मेलन में राज्यसभा सांसद डॉ. भीम सिंह चंद्रवंशी के साथ शामिल हुए।

अपने संबोधन में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह महासम्मेलन केवल एक स्वागत समारोह नहीं, बल्कि समाज की एकता, सामाजिक समरसता और विकास के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने संयुक्त नाई (सैन) एकता मंच के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि समाज को संगठित करने, युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार के प्रति प्रेरित करने तथा सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में मंच की भूमिका अत्यंत सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि नाई समाज का



इतिहास गौरवशाली रहा है और यह समाज अपनी महानत, सेवा, समर्पण एवं सामाजिक सहभागिता के लिए संदेव जाना जाता रहा है। समाज निर्माण में इस समुदाय का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने युवाओं से उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास को अपनाने

का आह्वान करते हुए कहा कि बदलते समय के अनुरूप स्वयं को तैयार करना ही सफलता की कुंजी है।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, जलापूर्ति,

महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक न्याय के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। सरकार समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा अंतिम पॉन्ट में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सभी को समाज के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। जब समाज संगठित होता है तो विकास की गति तेज होती है और नई पीढ़ी के लिए बेहतर अवसरों का सृजन होता है।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रेम कुमार ने संयुक्त नाई (सैन) एकता मंच को पुनः शुभकामनाएं देते हुए समाज को शिक्षित, संगठित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग, बुद्धिजीवी, युवा एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

महान प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे आचार्य किशोर कुणाल : महंत ब्रजेश मुनि

■ संत निवास में योग केंद्र भी संचालित हो : हृदय नारायण झा



पटना। कबीरपंथी आश्रम मीठापुर स्थित कबीर साई मंदिर प्रांगण में आचार्य किशोर कुणाल की जयंती महंत ब्रजेश मुनि के सानिध्य में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम को शुरुआत कबीर साई भक्त महिला मंडल द्वारा निगुण भक्तों की प्रस्तुति से हुई। इस अवसर पर महंत ब्रजेश मुनि ने कहा कि महावीर मंदिर को राष्ट्रीय स्तर का तीर्थस्थल बनाने तथा विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से मरीजों और जरूरतमंदों की सेवा कर आचार्य किशोर कुणाल ने समाज के लिए अनुकरणीय कार्य किए हैं और वे सदैव प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। आमंत्रित वक्ता एवं योग विशेषज्ञ पंडित हृदय नारायण झा ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल ने अपने जीवन से ह्यव्यस कीर्ति सः जीर्वातहक को चरितार्थ किया तथा वे केवल आर्यपीएस अधिकारियों ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन गए। उन्होंने संस्कृत में पीएचडी प्राप्त करने के साथ वेद, पुराण, रामायण और महाभारत का गहन अध्ययन किया था। महावीर आराध्य संस्थान, कैसर संस्थान, वात्सल्य संस्थान और हृदय रोग संस्थान जैसे सेवा प्रकल्पों के माध्यम से उन्होंने लोकसेवा का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। झा ने आश्रम परिसर स्थित आचार्य किशोर कुणाल संत निवास में योग केंद्र संचालित करने का भी सुझाव दिया, ताकि लोगों को स्वस्थ जीवन का मार्गदर्शन मिल सके। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर की प्रकल्पना भी आचार्य किशोर कुणाल को देन है, जिसे उनके पुत्र सायण कुणाल आगे बढ़ा रहे हैं।

 	
---	--

गुड़ उत्पादन इकाइयों को स्थापित करने के लिए 25 जून तक जमा होंगे ऑनलाइन आवेदन

पटना। राज्य में गुड़ उत्पादन इकाइयों को स्थापित करने के लिए गन्ना उद्योग विभाग में 25 जून तक ऑनलाइन आवेदन जमा होंगे। विदित हो कि राज्य में गन्ना की खेती करने के साथ ही चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की कई योजनाएं चल रही है। जिसमें गन्ना की खेती करने के लिए किसानों को अनुदान दिए जा रहे हैं। इसी प्रकार राज्य सरकार ने गुड़ उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बिहार राज्य गुड़ उद्योग प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू की है। जिसमें गुड़ उत्पादन इकाईयों को स्थापित करने लिए गन्ना किसानों और निवेशकों को छह लाख से लेकर एक करोड़ तक का अनुदान दिया जा रहा है। इसके लिए गन्ना उद्योग विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रथम चरण में 25 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करने की आंतिम तिथि निर्धारित किया है।

विभाग के अनुसार विभिन्न पेराई क्षमता वाली गुड़ उत्पादन इकाईयों को पूंजी की लागत का 50 फीसदी तक अनुदान देने का प्रावधान है। जिसमें 5 से 20 टन प्रतिदिन गन्ना पेराई की क्षमता वाले इकाईयों को अधिकतम 6 लाख रुपये अनुदान दिया जाएगा।

विद्यालय में फेल व्यवस्था खत्म करने की बात कर के शिक्षा मंत्री ध्वस्त शिक्षा व्यवस्था पर पर्दा डाल रहे हैं: अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि बिहार की शिक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के बजाय शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी विद्यालय में फेल व्यवस्था खत्म करने की बात कर बिहार की ध्वस्त शिक्षा व्यवस्था पर पर्दा डाल रहे हैं। प्रतिस्पर्धी परीक्षा के दौर में राज्य के शिक्षा मंत्री द्वारा इस तरह का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि सरकार को थोड़ी सी भी शिक्षा व्यवस्था की चिंता है तो विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता, बेहतर शिक्षण, नियमित मूल्यांकन, अतिरिक्त कक्षाएं और कमपैरर छात्रों के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम चलाने चलाये। सरकार बैठे लोगों को मातूम होना चाहिए कि शिक्षा में सुधार का रास्ता गुणवत्ता से होकर जाता है, केवल औपचारिक रूप से पास कराने से नहीं।राजद प्रवक्ता ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर एनडीए सरकार अगर गंभीर रहता तो 20 वर्षों के लंबे शासनकाल के बावजूद हर मामले में शिक्षा व्यवस्था की दयनीय स्थिति नहीं रहती।

एमएलसी उर्मिला ठाकुर से राजद नेताओं ने मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हाल चाल जाना : एजाज

पटना।बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल की प्रवक्ता सह विधान पार्षद डॉ उर्मिला ठाकुर के पैर में फ्रैक्चर होने की सूचना के बाद राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द कुमार सहनी एवं अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता उपेंद्र चंद्रशेखी ने उनके आवास पर पहुंचकर उनके स्वास्थ्य के संबंध में सारी जानकारी प्राप्त की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

इस संबंध में राष्ट्रीय जनता दल के नेता अशोक कुमार यादव ने बताया कि इन्हें कंथलीट ब्रेड रेस्ट करने और हर तरह की जांच-पड़ताल के बाद डॉक्टर ने बताया कि सारी रिपोर्ट के आधार पर आगे इलाज किया जाएगा। 13 प्रतिशत की उड़ान, सुशासन और विकास की पहचान : अंजुम पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता अंजुम सारा ने जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जारी बिहार आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों में राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 13 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि बिहार के सुशासन, समावेशी विकास और जनकल्याणकारी नीतियों की ऐतिहासिक सफलता का स्पष्ट प्रमाण है। यह उपलब्धि केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिहार के विकास के प्रति वर्षों से किए गए सतत प्रयासों और उनके दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से ही माननीय श्री नीतीश कुमार ने बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए एक स्पष्ट और दीर्घकालिक रोडमैप तैयार किया। कानून-व्यवस्था में व्यापक सुधार, सड़कों एवं पुलों का अभूतपूर्व निर्माण, गांव-गांव बिजली की पहुंच, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु विशेष पहल, पंचायती राज संस्थाओं को मजबूती तथा गरीब और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं ने राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान की है। आज बिहार की आर्थिक प्रगति के जो सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं, वे माननीय नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। सुशासन के मांडल ने बिहार को पिछड़ेपन की छवि से निकालकर विकास और संभावनाओं के नए युग में प्रवेश कराया है।

नियोजित शिक्षकों को समय पर वेतन भुगतान न होना**पिताजनक: गगन**

पटना। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने राज्यपाल को पत्र लिखकर नियोजित शिक्षकों को समय पर वेतन भुगतान करने एवं नियमावली में प्रावधान के अनुसार उन्हें प्रोन्नति देने के लिए स्वयं हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। राज्यपाल को लिखे पत्र में राजद प्रवक्ता ने बताया कि नियोजित शिक्षकों को पिछले चार माह से वेतन नहीं मिल रहा है जिसकी वजह से शिक्षक एवं उनका परिवार भूखमरी के कगार पर है। राज्य के नियोजित शिक्षकों को विगत चार महीनों से नियमित वेतन का भुगतान नहीं होना अत्यंत चिंताजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। राजद प्रवक्ता ने बताया कि नियमावली में स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद नियोजित शिक्षकों को कालबद्ध प्रोन्नति, स्नातक ग्रेड में प्रोन्नति तथा प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति नहीं दी जा रही है। जबकि नियमावली के अनुसार 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले नियोजित शिक्षकों को कालबद्ध प्रोन्नति, बेसिक ग्रेड में 8 वर्ष की सेवा पर स्नातक ग्रेड में प्रोन्नति तथा स्नातक ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर मध्य विद्यालय प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति देने का प्रावधान है। उन्होंने महामहिम राज्यपाल को लिखे पत्र में नियोजित शिक्षकों के ईपीएफ अंशदान की कटौती वास्तविक भुगतयेय मूल वेतन के आधार पर सुनिश्चित करने की मांग की है।

मोदी सरकार में गरीबी बढ़ी है। माकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल में गरीबी बढ़ी है। सरकार अपनी पीठ थपथपाने के लिए अलग-अलग रिपोर्ट प्रकाशित कर गरीबी कम करने का दावा करती है। ताकि कल्याणकारी योजनाओं को बंद किया जा सके। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट भी सरकार को खुश करने वाला है।।माकपा राज्य सचिव ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट से कहा गया है कि बिहार में तेजी से गरीबी घटी है। गरीबी रेखा से नीचे गुजर बसर करने वालों की संख्या 51.89 फीसद से घटकर 33.76 फीसद आ गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लोगों की आमदनी बढ़ी है और खर्च करने का स्तर भी बढ़ा है। बिहार सरकार द्वारा कराई गई जातीय खणगणना के अनुसार बिहार में 94 लाख परिवारों की औसत आमदनी 6000 रुपये से कम है। इसके बावजूद नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि बिहार में प्रति व्यक्ति कम हो 76,490 रुपये है।इससे साफ स्पष्ट हो रहा है कि सरकार का गरीबी कम करने का दावा पूरी तरह झूठा पलुटा है। मोदी सरकार के कार्यकाल में महँगाई आसमान छू रही है। इस वजह से लोगों की कीमत लगातार बढ़ रही है। उच्च महँगाई दर की वजह से चैतरफा खपत कम रही है।

राजस्व महा-अभियान की निगरानी के लिए प्रमंडलवार मॉनिटरिंग सेल का गठन, हर घंटे ली जा रही प्रगति रिपोर्ट : दिलीप

46 लाख आवेदनों की स्कैनिंग, अपलोडिंग और निष्पादन का लक्ष्य, मुख्यालय से हर घंटे हो रही मॉनिटरिंग

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने राजस्व महा-अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए प्रमंडलवार विशेष मॉनिटरिंग सेल का गठन किया है। विभाग द्वारा 11 जून से 17 जून 2026 तक विशेष शिविर आयोजित कर आवेदनों की स्कैनिंग, अपलोडिंग और निष्पादन की प्रक्रिया को तेज गति से संचालित किया जा रहा है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राजस्व महा-अभियान के तहत प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से मुख्यालय स्तर पर एक सशक्त मॉनिटरिंग तंत्र विकसित किया गया है, जो राज्य के सभी जिलों में चल रहे कार्यों की लगातार निगरानी कर रहा है।

मंत्री ने कहा कि विभाग का लक्ष्य पूरे राज्य में प्राप्त लगभग 46 लाख आवेदनों की स्कैनिंग और



अपलोडिंग का कार्य शीघ्र पूरा करना है। इसके लिए मुख्यालय से प्रत्येक घंटे जिलों की प्रगति की समीक्षा की जा रही है तथा अद्यतन आंकड़े संकलित किए जा रहे हैं। जहां कहीं भी कार्य की गति अपेक्षा में कमरूप नहीं पाई जा रही है, वहां तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्व महा-अभियान राज्य के लाखों लोगों से जुड़ा हुआ है। इसलिए किसी भी

राज्य में 95 लाख से अधिक लोगों ने कराया जीवन प्रमाणीकरण

- सबसे अधिक मधुबनी, पूर्वीवर्णारण, पटना, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और दरभंगा जिले में लाभुक**
- शेष पंधान्धारियों से जल्द जीवन प्रमाणीकरण कारने की अपील**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लगभग 95 लाख 82 हजार से अधिक पेंशनधारियों ने अबतक जीवन प्रमाणीकरण कराया है। समाज कल्याण विभाग के अनुसार इसके तहत राज्य के लगभग 80 प्रतिशत लाभुकों ने जीवन प्रमाणिकरण करा लिया है। विभाग ने शेष पेंशनधारियों से अपील किया है कि पंचायत स्तरीय शिविर या नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से निशुल्क जीवन प्रमाणीकरण (लाईफ सर्टिफिकेशन) कराएं, ताकि सामाजिक सुरक्षा पेंशन

की राशि उन्हें निर्बाध रूप से मिलती रहे। विभाग की ओर से इसके लिए विज्ञापन के जरिए सूचना दी जा रही है। विभाग का मानना है कि सभी पात्र लाभुकों तक योजनाओं को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचा अनिवार्य है। योजनाओं की सतत निगरानी कर जमीनी स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। जिलेवार आंकड़े के अनुसार सबसे अधिक मधुबनी जिले में 4 लाख 78 हजार लाभुकों ने जीवन

प्रमाणीकरण कराया है। इसके लाभुकों ने जीवन प्रमाणिकरण के बाद पूर्ववंचामरण में 4 लाख 47 हजार, पटना में 4 लाख 43 हजार, मुजफ्फरपुर में 4 लाख 24 हजार, समस्तीपुर में 4 लाख 10 हजार और दरभंगा जिले में 3 लाख 80 हजार लाभुकों ने अपना जीवन प्रमाणीकरण करा लिया है।

राष्ट्रीय अधिवेशन : उपेन्द्र कुशवाहा पुनः रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

- बोलें- बिहार में जब तक एनडीए सरकार रहेगी दीपक प्रकाश मंत्री रहेंगे**

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली/पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा का राष्ट्रीय अधिवेशन शनिवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में संपन्न हुआ। अधिवेशन में सर्वसम्मति से पार्टी के संस्थापक एवं वरिष्ठ नेता उपेन्द्र कुशवाहा को आगामी कार्यकाल (2026-29) के लिए पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। पार्टी के संपटन चुनाव हेतु नामित राष्ट्रीय निवाची पदाधिकारी प्रमोद कुमार सुमन ने उपेन्द्र कुशवाहा को प्रमाण पत्र सौंप कर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर पुन निर्वाचन की घोषणा की।

सभा को संबोधित करते हुए उपेन्द्र कुशवाहा ने मंत्री दीपक प्रकाश को लेकर मीडिया में लगाई जा रही अटकलों के बीच कार्यकताओं से कहा कि किसी तरह के भ्रम में आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि निश्चित रहिए बिहार में जब तक एनडीए सरकार रहेगी दीपक



प्रकाश मंत्री रहेंगे।

पार्टी के अधिवेशन में देश की वर्तमान राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों पर व्यापक चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए गए। अधिवेशन ने बिहार के विकास में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में अभी औद्योगिक कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

पार्टी ने बिहार में युवाओं के पलायन को रोकने तथा कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने न्यायिक नियुक्तियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु वर्तमान कॉलेजियम व्यवस्था की

बाबा अजगैबीनाथ धाम से बिहार सीमा दुम्मा तक शिवमय होगा श्रावणी मेला पथ

राज्य के 31 जगहों पर बनेंगे विश्वस्तरीय आधुनिक बस पड़ाव

- पटना-मुजफ्फरपुर जैसे शहरों में तैयार होंगे हाई-टेक टर्मिनल**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के बस पड़ाव अब नए कलेवर में नजर आएंगे। इन्हें दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों की तुल पर आधुनिक, सुविधाजनक और विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) ने एक महत्वाकांक्षी प्रकल्प उठाया है। निगम पीपीपी मोड में राज्य के 31 स्थानों पर विश्वस्तरीय आधुनिक बस पड़ाव का निर्माण कराएगा।

इन टर्मिनलों में शांतिंग मॉल, कैफेटेरिया, होटल, पीवीआर और एंटरटेनमेंट जोन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जो न सिर्फ यात्रियों को सुविधा देंगी बल्कि बस यात्रा को एक सुखद अनुभव भी बनाएंगी। यहां डीजल और पेट्रोल रिटेल आउटलेट भी स्थापित किए जाएंगे। साथ ही पर्याप्त ईवी चार्जिंग स्टेशन मौजूद होंगे, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलेगा।

यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इन टर्मिनलों में आधुनिक एसी युक्त प्रतीक्षालय, डिजिटल सूचना प्रणाली, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पर्याप्त पार्किंग, यात्री सहायता कान्टर, दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक अनुकूल सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, एटीएम, दीदी की रिपॉज और ई-चार्जिंग स्टेशन जैसी उत्कृष्ट सुविधाएं दी जाएंगी। ये बस डिपो पॉप मॉजिल होंगे। ग्राउंड फ्लोर

को, तिरहुत प्रमंडल की संतोष कुमार चौधरी को, कोशी एवं सारण प्रमंडल की उमा शंकर को, मगध एवं भागलपुर प्रमंडल की सक्षम सिंह को, दरभंगा प्रमंडल की मयंक आशुतोष आनंद को तथा पूर्णिया एवं मुंगेर प्रमंडल की निगरानी की जिम्मेदारी अश्विनी कुमार को सौंपी गई है।

मंत्री ने कहा कि इन पदाधिकारियों को अपने-अपने आवंटित प्रमंडलों के कार्यों का प्रतिदिन अनुश्रवण कर प्रगति प्रतिवेदन मुख्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इससे अभियान की प्रगति पर सतत नजर रखी जा रही है तथा आवश्यकतानुसार त्वरित निर्णय लिए जा रहे हैं।

डॉ. जायसवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयास से राजस्व महा-अभियान के सभी लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा तथा आम जनता को राजस्व सेवाओं का लाभ और अधिक सुगमता से प्राप्त होगा।

सभी वर्गों के विकास को कृत संकल्पित रही है सरकार : श्रवण मंत्री बोलें– सरकार आपदा पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करती है

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार शरीफ प्रखंड के ग्राम पंचायत राज विद्यावानी के विद्यावानी गांव में नवनिर्मित यात्री शेड का उद्घाटन स्थानीय विधायक सह बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने किया। उनके साथ सांसद कोशलेंद्र कुमार भी मौजूद थे। इस अवसर पर आपदा के कारण मारे गए मृतक कैलू रविदास की पत्नी सुबुजा देवी को पारिवारिक लाभ योजना के तहत 20 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक भी प्रदान किया।

इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि जान की क्षति की भरपाई तो संभव नहीं है, लेकिन सरकार पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करती है। आपदा के समय राज्य सरकार के

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार प्रतिबद्ध : निशांत

- बाल हृदय योजना के 100वें बैच में 32 बच्चों की निःशुल्क उपचार हेतु अहमदाबाद भेजा गया, अब तक 3101 बच्चों का सफल इलाज**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार की जनहितकारी स्वास्थ्य योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इसी क्रम में शनिवार को स्वास्थ्य भवन से स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने बाल हृदय योजना के अंतर्गत 100वें बैच में 32 बच्चों को निःशुल्क उपचार के लिए श्री सत्य साईं हार्ट अस्पताल, अहमदाबाद रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार का लक्ष्य है कि आर्थिक तंगी किसी भी बच्चे के उपचार में बाधा न बने। बाल हृदय योजना इसी संकल्प का परिणाम है, जिसके माध्यम से गंभीर हृदय रोग से पीड़ित हजारों बच्चों को नया जीवन मिला है। उन्होंने कहा कि योजना के



100वें बैच का रवाना होना स्वास्थ्य विभाग की निरंतर प्रतिबद्धता और जरूरतमंद परिवारों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के प्रयासों का प्रतीक है।उन्होंने बताया कि 100वें बैच में बक्सर जिले से 3, पूर्वी चंपारण से 2, जहानाबाद से 3, खगड़िया से 1, मधेपुरा से 2, मधुबनी से 1, मुंगेर से 2, नालंदा से 5, पटना से 7, समस्तीपुर से 3 तथा वैशाली से 3 बच्चे शामिल हैं, जिन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि बाल हृदय योजना की शुरुआत अप्रैल 2021 को एनडीए के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा सात निश्चय-2 के अंतर्गत सबके लिए अतिरिक्त स्वास्थ्य सुविधा के उद्देश्य से की गई थी। इस योजना के तहत जन्मजात हृदय रोग, विशेषकर हृदय में छेद की समस्या से पीड़ित 0 से 18 वर्ष

2014 से 2024 के बीच 9.23 लाख करोड़ की केंद्रीय सहायता, यूपीए काल से 4 गुना अधिक : सरावगी



खजाने पर पहला हक पीड़ित परिवारों का होता है। इसलिए यह राशि तुरंत स्वीकृत कर आपको सौंपी जा रही मृतक के परिवार को धैर्य रखने और हिम्मत से काम लेने की सलाह दी उन्होंने कहा कि सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ा है।क्षेत्रवासियों को सुविधा हमारी पहली प्राथमिकता है। अब धूप, बारिश और ठंड में लोगों को खुले में खड़ा नहीं होना पड़ेगा।

यह शेड ग्रामीण और

शहरी दोनों तरह के यात्रियों को राहत देगा। छात्र, बुजुर्ग,महिलाएं और रोजाना सफर करने वाले लोग अब आराम से बस या गाड़ी का इंतजार कर सकेंगे।राज्य सरकार परिवहन से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जरूरत पर काम कर रही है ताकि आम आदमी का सफर आसान और सुरक्षित हो।अंधेरे से उजाले तक,संचर्प से सफलता तक और संकल्प से सिद्धि तक, यह नए बिहार की प्रेरक यात्रा है।नीतीश

2014 से 2024 के बीच 9.23 लाख करोड़ की केंद्रीय सहायता, यूपीए काल से 4 गुना अधिक : सरावगी

- कहा- सड़क, रेल, एयरपोर्ट और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बिहार ने रचा नया इतिहास**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और बिहार में डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से राज्य विकास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। आज बिहार विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और हर क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल कर रहा है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि वर्ष 2014 से 2024 के बीच बिहार को केंद्र सरकार से लगभग 9.23 लाख करोड़ रुपये की सहायता एवं विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है, जो पूर्ववर्ती यूपीए शासनकाल की तुलना में लगभग चार गुना अधिक है। यह राशि बिहार के आधारभूत ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा



रही है।उन्होंने कहा कि बिहार में सड़क संपर्क व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य हुए हैं। ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 1.2 लाख किलोमीटर तक पहुंच चुका है तथा 100 से अधिक आबादी वाले सभी टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने का कार्य तेजी से चल रहा है। राज्य में पटना-पूर्णिया, बक्सर-भागलपुर, आमस-दरभंगा, गोरखपुर-सिलीगुड़ी, रक्सौल-हल्दिया तथा वाराणसी-गया-कोलकाता सहित छह बड़े एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं पर काम हो रहा है, जिससे बिहार की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।प्रदेश सरकार ने दावा करते हुए कहा कि गंगा नदी पर सात नए पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है।

नीट यूजी पेपर लीक और सीबीएसई की अनियमितताओं पर कांग्रेस का व्यापक प्रदर्शन

- 12 वर्षों में 89 पेपर लीक का रिकॉर्ड बना चुकी है भाजपा एनडीए सरकार: राजेश**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। विगत 3 महीने के आयोजित नीट यूजी परीक्षा पेपर लीक और सीबीएसई में रिजल्ट और कॉपी में अनियमितताओं के बाद कांग्रेस के कड़े विरोध के दबाव में केंद्र सरकार ने नीट यूजी परीक्षा रद्द कर दिया और सीबीएसई में हुई अनियमितताओं पर जांच समिति का गठन कर दिया लेकिन अब भी इस मामले में दोषियों की पूरी गिरफ्तारी नहीं होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के उदासीनता के कारण बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में बिहार के कांग्रेसजन ने व्यापक प्रदर्शन किया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में 89 परीक्षा प्रश्नपत्र लीक हुए हैं और खुद एनटीए के अधीन नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र चार बार लीक हो चुके

हैं, जिससे केंद्रीय परीक्षा प्रणाली को निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं लेकिन भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र की मोदी सरकार ने ऐसी भ्रष्ट व्यवस्था बना दी है कि अमीर परिवारों के बच्चों को ही मेडिकल सीटें और नौकरियां मिलेंगी, जबकि गरीब परिवारों के छात्रों को उम्मीद के सहारे हर बार धोखा ही खाना पड़ेगा। भाजपा के नेतृत्व वाला इस एनडीए सरकार के तहत शिक्षा व्यवस्था पर तरिके से ध्वस्त हो चुकी है। इस व्यवस्था को बदलने के लिए और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी लगातार सड़कों पर संघर्ष कर रही है। आज बिहार के छात्रों के हक के लिए हम सड़कों पर हैं। वर्तमान सरकार को अविलंब एनटीए के तहत आयोजित होने वाली नीट परीक्षा में पारदर्शिता और पेपर लीक की समस्या को खत्म करना चाहिए और आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा के साथ भविष्य की प्रतियोगी परीक्ष-ाओं को लेकर गंभीरता बरतनी चाहिए।

आयु वर्ग के बच्चों को निःशुल्क जांच, सर्जरी एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत अब तक राज्य के 3101 बच्चों का सफल उपचार कराया जा चुका है।यह उपलब्धि बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस योजना ने न केवल बच्चों को नया जीवन दिया है, बल्कि हजारों परिवारों को आर्थिक बोझ से भी राहत पहुंचाई है।

श्री निशांत ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा राज्यभर में नियमित रूप से स्क्रीनिंग अभियान एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की पहचान की जाती है। चिकित्सकीय जांच के उपरांत चर्चयित बच्चों को आईजीआईसी, आईजीआईएमएस, मेदांता अस्पताल (पटना) तथा श्री सत्य साईं हार्ट अस्पताल, अहमदाबाद जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उपचार के लिए भेजा जाता है।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और जनोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। बाल हृदय योजना सरकार एक संवेदनशील और सफल उदाहरण है,

क्या नया इतिहास

कुमार के कुशल नेतृत्व में बेहतर सड़कें, हर घर तक बिजली,शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा आधारभूत संरचनाओं में हुए व्यापक सुधार ने राज्य को नई पहचान दी है। विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ बिहार आज नए विश्वास, नए अवसरों और नई संभावनाओं की ओर निरंतर अग्रसर है। नीतीश बिहार ने जब बिहार की बागडोर संभाली, तब अपराध पर नियंत्रण और कानून का राज स्थापित करने को अपनी प्राथमिकता बनाया। उन्होंने इस दिशा में कार्य करते हुए प्रशासनिक एवं कानूनी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया। आज इन प्रयासों के फलस्वरूप बिहार में कानून का राज स्थापित है और हर बिहारवासी सुरक्षित वातावरण में आगे बढ़ रहा है।

जबकि सात अन्य पुल निमाणांधीन हैं। इसके अलावा कोसी, गंडक, सोन, बागमती और फल्गु नदियों पर भी कई महत्वपूर्ण पुल बनाए गए हैं। औटा-सिमरिया गंगा पुल और पटना-आरा-सासाराम फोरलेन काइरडो जैसी परियोजनाओं ने उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच संपर्क को मजबूत किया है।रेल क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार को रेल अंतरसंरचना विकास के लिए लगभग एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं मिली हैं। राज्य के 198 रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

इससे यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी और क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा। संजय सरावगी ने जोर देकर कहा कि शहरी परिवहन के क्षेत्र में भी बिहार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।पटना मेट्रो परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है तथा गंगा, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और भागलपुर मेट्रो परियोजनाओं को भी स्वीकृति मिल चुकी है।

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
ई. निविदा सूचना सं. : पूर्वे-मुअ-नि-उ-इंटीएन-04-26-27
भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्यो हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है।
क्र.सं: 1. कार्य का नाम : पूर्व मध्य रेलवे, समस्तीपुर मंडल के सरायगंज – कारबिसरगंज रेलखंड के ललितामन – नरपतगंज खंड के मध्य कि.मी. 89869.60 (131/8-9) स्थित जयवर्जन पर पुल संख्या 75 के रेल फाउंडेशन, उपसंरचना एवं अधिसंरचना के निर्माण कार्य, 01 गेट लॉज के निर्माण तथा अन्य संबद्ध/सहायक कार्यों का निष्पादन। क्र.सं: 2. कार्य का लगभग मूल्य : रु.14,25,66,417.30 क्र.सं: 3. कार्य सिक्किरीटी की राशि : रु. 28,51,300.00, क्र.सं: 4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 07.07.2026, 14.30 बजे। क्र.सं: 5. वेबसाइट का विवरण, नीति स से संबंधित विवरण के निम्नलेख में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदाकारों को यह संस्करण खरीदना सक्त है। इत्यादी है। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दर्तातोज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाईट http://www.iरेps.gov.in पर उपलब्ध होगी एवं मध्य प्रशासिक अधिकारी / निर्माण/उत्तर/पूर्व/ महेन्द्रगढ़, पटना के कार्यालय में देखा जा सकता है। प्रवृत्त के निम्नलेख सूचना में आए हुए किसी भी विषयगत विवरण के निम्नलेख में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदाकारों को यह संस्करण खरीदनी सक्त है। इत्यादी है। उपरोक्त ई-निविदा की भी परिवर्तन/शुद्धि पत्र की ओर ध्यान देने के लिए एे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाईट http://www.iरेps.gov.in का अवलोकन करें।
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण/ उत्तर/ पूर्व मध्य रेल, महेन्द्रगढ़, पटना
Phार/0383/सीएन/एनए/सुरक्षा/बी/नं./26-27/44

मुजफ्फरपुर

जिलाधिकारी ने की विकास कार्यों की समीक्षा, खेल मैदान निर्माण में शिथिलता पर कार्रवाई के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने शुक्रवार को विभिन्न विकास योजनाओं, मनरेगा, कृषि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सहयोग शिविर, राजस्व एवं पेयजल योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में योजनाओं की प्रगति, लंबित मामलों एवं जनहित से जुड़े कार्यों की स्थिति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मनरेगा के अंतर्गत पंचायतों में खेल मैदान निर्माण कार्य की समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले की कुल 373 पंचायतों में खेल मैदान का निर्माण कराया जाना है। इनमें से अब तक 239 पंचायतों में खेल मैदान का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष पंचायतों में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने कार्य की धीमी प्रगति



वाले प्रखंडों मुसहरी, मीनापुर, पारू, मोतीपुर एवं कांटी प्रखंड के कार्यक्रम पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि खेल एवं युवा गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए यह योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मनरेगा के तहत आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण की समीक्षा में पाया गया कि 112 केंद्रों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिसके विरुद्ध 86 केंद्रों का निर्माण कार्य प्रारंभ

हो चुका है। जिलाधिकारी ने शेष 26 केंद्रों का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने का निर्देश दिया। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने किसानों के निबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने अपर समाहतां (राजस्व) को निर्देश दिया कि कार्य में शिथिलता बरतने वाले नीचे से पांच राजस्व कर्मचारियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। वहीं जिला कृषि पदाधिकारी को

भी निर्देश दिया गया कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में खराब प्रदर्शन करने वाले पांच किसान सलाहकार एवं पांच कृषि समन्वयकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। समीक्षा में बताया गया कि जिले में अब तक 2,91,555 किसानों का निबंधन किया जा चुका है। इनमें 1,44,017 किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से आच्छादित हैं। विशेष बात यह रही कि एक ही दिन में 20 हजार से अधिक किसानों का निबंधन किया गया। जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी एवं पश्चिमी को सतत मॉनिटरिंग कर निबंधन कार्य में और तेजी लाने का निर्देश दिया।बैठक में खरीफ 2026 के लिए उर्वरकों के उपलब्धता, बिक्री एवं अवशेष की समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। जिलाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी को उर्वरक वितरण की सतत निगरानी करने,

कालाबाजारी रोकने तथा किसानों को आवश्यकता के अनुसार पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कुत्रिम सं कट उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग एवं नगर निगम की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल का जल योजना तथा सार्वजनिक चापकलों को चालू रखने का निर्देश दिया। उन्होंने नगर निगम एवं सभी नगर निकायों को गर्मी के मौसम को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा नियमित रूप से जलापूर्ति बनाए रखने को कहा। बैठक में 16 जून 2026 को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले के 16 प्रखंडों की 23 पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

सामाजिक संगठन प्रयत्न के संस्थापक प्रभात कुमार सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राष्ट्रीय युवा योजना की दो दिवसीय राष्ट्रीय वरिष्ठ समन्वयक बैठक 30 एवं 31 मई को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा में आयोजित हुई।इस बैठक में देश के 20 राज्यों से लगभग 50 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन के विस्तार, युवाओं की भूमिका तथा राष्ट्रीय युवा योजना के संस्थापक स्व. डॉ. एस. एन. सुब्बाराव ह्यामई जीहू के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान उक्तूष्ट सामाजिक कार्यों के लिए मुजफ्फरपुर के सामाजिक कार्यकर्ता एवं सामाजिक संगठन ह्यप्रयत्नह के संस्थापक प्रभात कुमार को सम्मानित किया गया। भारत के प्रख्यात गांधीवादी चिंतक तथा जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की लड़ाई के अग्रणी नेता पी वी राजगोपालाचारी ने उन्हें अपने हाथोंं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा योजना, मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ साथी पु्केश चंद्र एवं केशव पांडे को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बैठक की गतिविधियों का अवलोकन राष्ट्रीय युवा योजना के वरिष्ठ साथी हनुमान नायर तथा पी. वी. राजगोपाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समन्वय बंडा (सागर) के डीएसपी प्रदीप वाल्मीकि (सतपुड़ा सिंधम) ने किया। प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय युवा योजना को और अधिक सशक्त बनाने तथा युवाओं को रचनात्मक सामाजिक कार्यों से जोड़ने के लिए आगामी कार्यक्रमों को रूपरेखा भी तैयार की। प्रभात कुमार को मिले इस सम्मान पर मुजफ्फरपुर के सामाजिक एवं युवा कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल देखा जा रहा है।

मुजफ्फरपुर में आज व 17 जून को 22 केन्द्रों पर होगी सिपाही भर्ती परीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। केन्द्रीय चयन परिषद (सिपाही भर्ती), पटना द्वारा मध्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय गृह विभाग (कारा) तथा परिवहन विभाग में मध्य निषेध सिपाही, कक्षपाल एवं चलंत दस्ता सिपाही पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 14 जून एवं 17 जून को किया जाएगा। जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा दो पालियों में

संपन्न होगी। प्रथम पाली के अभ्यर्थियों को सुबह 8 बजे तक तथा द्वितीय पाली के अभ्यर्थियों को दोपहर 1 बजे तक परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा। परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। समाहरणालय सभागार में आयोजित संयुक्त ब्रीफिंग के दौरान

दोनों अधिकारियों ने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को समय पर ड्यूटी स्थल पर पहुंचने तथा परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच (फ्रिस्किंग) सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी अभ्यर्थी को मोबाइल फोन या किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा की सतत एवं प्रभावी निगरानी के लिए वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी तथा विशेष निंत्रण कक्ष की व्यवस्था

मोबाइल दुकान से चुराए गए सामानों के साथ रक्सौल से पांच गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्रान्तर्गत नरसंडा चौक स्थित एक मोबाइल दुकान में बीते 24 मई को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देने वाले अंतर्जिला गिरोह के 5 अपराधियों को पुलिस ने रक्सौल से गिरफ्तार किया है। उक्त दुकान से मोबाइल फोन, इनवर्टर, ब्ल्यूटू, चार्जर, बैटरी तथा गनद 40 हजार रूपए की चोरी हुई थी। इस मामले में दुकानदार ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले में तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने गुरुवार को कांड को अंजाम देने वाले अपराध कर्मियों को चोरी की गई सामग्री के साथ गिरफ्तार करने में सफलता की पाई है। यह जानकारी देते हुए ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राजेश से प्रभाकर ने प्रभावकों को बताया कि चोरी की घटना के अलोक में वाढे कमल कुमार अंशू द्वारा समर्पित आवेदन के आधार पर कांटी थाना कांड सं0-321/26 दर्ज किया गया था। कांड की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर के निर्देशन व पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण के अनुश्रवण एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पश्चिमी-01 के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। उक्त टीम में थानाध्यक्ष कांटी की टीम को भी शामिल किया गया। रा्टिड टीम द्वारा मानवीय एवं तकनीकी आसूचना संकलन के आधार पर लगातार कार्रवाई किया जा रहा था। इसी क्रम में 11 जून को मिली एक इन्फुट के आधार पर गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त मन्दु कुमार, थाना-झरोखर, भोला कुमार, थाना-महुआवा, अर्जुन कुमार, थाना-महुआवा, विशाल कुमार, थाना-महुआवा, एहतमर आलम, थाना-महुआवा, सभी जिला-मोतिहारी को चोरी किये गये सामनों के साथ रक्सौल से गिरफ्तार किया गया हैं। इस मामले में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

रसोई गैस बुकिंग ऑटो रिजेक्ट और डिलीवरी में 10-15 दिन की देरी से उपभोक्ता परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में रसोई गैस उपभोक्ताओं को एक बार फिर गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलिंडर की बुकिंग से लेकर होम डिलीवरी तक की व्यवस्था सवालों के घेरे में है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि गैस बुकिंग कराने के बाद उनका नंबर स्वतः रिजेक्ट हो जा रहा है, जबकि कई मामलों में बुकिंग लंबे समय तक लंबित रहने के बावजूद सिलिंडर की आपूर्ति नहीं हो रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहली बार बुकिंग असफल होने के बाद उन्हें दोबारा या तीसरी बार बुकिंग करनी पड़ रही है। इसके बावजूद गैस सिलिंडर समय पर नहीं मिल रहा। बुकिंग के बाद डिलीवरी में 10 से 15 दिनों तक

की देरी हो रही है, जिससे घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि 26 दिनों के बजाय अब 36 दिनों या उससे अधिक समय में गैस उपलब्ध हो रही है। दामोदर गैस कंपनी के एजेंसी के उपभोक्ता शशोर कुमार ने बताया कि उन्होंने 27 मई को गैस बुक कराई थी, लेकिन एक सप्ताह बाद डिलीवरी मिलने के बजाय बुकिंग रिजेक्ट होने का संदेश आ गया। इसके बाद उन्होंने 8 जून को दोबारा बुकिंग कराई, लेकिन अब तक सिलिंडर नहीं मिला है। हालांकि, एजेंसी संचालक अन्नू कुमार का कहना है कि उनके पास इस तरह की कोई शिकायत नहीं आई है। शिकायत मिलने पर मामले की जांच की जाएगी। गृहिणियों और अन्य उपभोक्ताओं

का कहना है कि समय पर गैस नहीं मिलने के कारण उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था का सहारा लेना पड़ रहा है। कई लोगों ने संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों से शिकायत भी की है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। जिले के विभिन्न इलाकों से गैस आपूर्ति में अनियमितता, बुकिंग रिजेक्ट होने और डिलीवरी में देरी की लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। उपभोक्ताओं ने प्रशासन और गैस कंपनियों से व्यवस्था में सुधार कर समय पर सिलिंडर उपलब्ध करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द सुधारत्मक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है। साथ ही उन्होंने पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रता:किरण 05 पटना, रविवार, 14 जून, 2026

मुजफ्फरपुर में साइबर ठगी के दो मामले दर्ज, खातों से लाखों रुपये उड़ाए

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में साइबर अपराधियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। साइबर ठगों ने अलग-अलग मामलों में दो लोगों के बैंक खातों से लाखों रुपये की ठगी कर ली। दोनों पीड़ितों ने साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। कटरा थाना क्षेत्र के सकरी गांव निवासी मो. मियाज ने साइबर थाना में अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 31 मई की रात करीब 8:26 बजे उनके एक्सिस बैंक खाते से 95 हजार 858 रुपये की निकासी कर ली गई, जिसकी कोई सूचना या मैसेज उन्हें नहीं मिला। पीड़ित के अनुसार, दो जून की रात करीब 1:18 बजे उनके खाते से 30 हजार रुपये ट्रांसफर करने का प्रयास किया गया, लेकिन तकनीकी कारणों से

यह ट्रांजेक्शन असफल रहा। इसके बाद रात 1:27 बजे उनके खाते में 20 हजार रुपये भेजे गए। इन दोनों लेनदेन के मैसेज मिलने पर उन्हें साइबर ठगी की आशंका हुई। हालांकि, इसके महज कुछ सेकेंड बाद ही उनके खाते से 50 हजार रुपये और निकाल लिए गए। कुल मिलाकर साइबर अपराधियों ने उनके खाते से दो लाख चार हजार 58 रुपये की ठगी कर ली। वहीं, दूसरा मामला काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के आमगोला पड़ाव पोखर लेन नंबर-दो निवासी अविनाश कुमार झा से जुड़ा है। साइबर ठगों ने उनके सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते से दूरीआइ के माध्यम से एक लाख 29 हजार 397 रुपये की निकासी कर ली। अविनाश कुमार झा ने दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि 23 और 24 फरवरी को उनके खाते से विभिन्न ट्रांजेक्शनों के जरिए यह राशि उड़ाई गई। ठगी का पता चलने

पर उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि तकनीकी त्रुटि के कारण मामला मुजफ्फरपुर रेलवे साइबर थाना में दर्ज हो गया, जिसे बाद में पटना नोडल कार्यालय भेजा गया। इसके बाद उन्होंने स्थानीय साइबर थाना में एफआईआर दर्ज कराई। दोनों मामलों में साइबर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बैंक खातों के ट्रांजेक्शन और संबंधित डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर साइबर अपराधियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। साइबर विशेषज्ञों ने लोगों से अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, ओटीपी और बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना साइबर हेल्पलाइन 1930 या एनसीआरपी पोर्टल पर देने की अपील की है।

चर्चित काव्यसंग्रह मौन संवाद का हुआ लोकार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। स्थानीय नवयुवक समिति ट्रस्ट भवन में साहित्यकार कवि सुमन कुमार मिश्र की चर्चित एवं बहुप्रतीक्षित काव्य संग्रह मौन संवाद का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.संजय पंकज एवं संचालन डॉक्टर पंकज कर्ण ने किया।इस लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. विनोद कुमार चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ.शेखर शंकर मिश्र, डॉ. देवव्रत अकेला,डॉ.बृजभूषण मिश्र एवं डॉ.रामेश्वर द्विवेदी थे।लोकार्पण समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का सम्मान एवं स्वागत अंगवस्त्र एवं फूल मालाओं से किया गया। अतिथियों एवं वक्ताओं ने सुमन कुमार मिश्र की प्रथम काव्य संग्रह मौन संवाद में संग्रहित रचनाओं के विविध



पक्षों पर प्रकाश डाला और उसकी बहुआयामी प्रभाव और संवेदनशीलता की सराहना की। लोकार्पण समारोह में कवि गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। कवि गोष्ठी में प्रमुख रूप से कवि डॉ.हरि किशोर प्रसाद सिंह,हास्य व्यंग के प्रसिद्ध फिक् डॉक्टर जगदीश शर्मा,भोजपुरी के प्रसिद्ध कवि सतेंद्र कुमार सत्येन,कवि ओम प्रकाश कुमार सत्येन,कवि भास्कर चंद्र गुप्ता,लेखिका चांदनी भस्म,रामबृक्ष भार चक्रपुरी,अशोक साहू,शापर सिंहगन्तुल्ला ह मीदी, मह फू ज आरिफ,प्रमोद नारायण मिश्र,मुन्नी चौधरी,श्रवण कु मार, अनिल कुमार,मानवीय संवेदनाओं के सुकुमार

कवि अंजनी कुमार पाठक,कवि अरुण कुमार तुलसी,साहित्यकार देवेंद्र कु मार, कविध्वजी एवं गायिका सुषिया सोनी,शुभ नारायण शुभंकर,मुक्तक के सशक्त पहचान दिनबंधू आजाद,नागरिक मोर्चा के महासचिव मोहन सिन्हा,चिराग पोद्दार,दीनदयाल राणा,व्यवस्था सहयोगी अजय कुमार एवं सुरेंद्र कुमार सहित काफी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत कवि साहित्यकार सुमन कुमार मिश्रा ने उपस्थित अतिथियों,कवियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद जापन किया।

मृतक प्रिंस के परिजन से मिले क्षेत्रीय विधायक अजीत कुमार , दी आर्थिक सहायता

मुजफ्फरपुर। जिले के कांटी क्षेत्र के मुस्तफापुर ग्राम निवासी सुनील साह के 6 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार का पानी में डूबने से गुरुवार को मौत हो गया था। घटना की सूचना मिलने की उपरांत स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार देर रात मुस्तफापुर गांव पहुंचे, जहां परिजन से मिलकर उन्हें सांत्वना दिया तथा मौके पर अपनी ओर से आर्थिक मदद किया। विदित हो कि सुनील कुमार का परिवार गरीब परिवार का व्यक्ति है, जो मजदूरी कर अपने परिवार का जीवन यापन चलाते हैं। बीते कल शाम नहाने के क्रम में उनके पुत्र प्रिंस कुमार की मृत्यु हो गई थी। इस घटना से पूरे मुस्तफापुर एवं आसपास के इलाके में दु:ख का माहौल व्याप्त हो गया था। घटना की जानकारी मिलते विधायक श्री कुमार मुस्तफापुर गांव स्थित नया बाजार पहुंचे, जहां ग्रामीण एवं परिजनों से मुलाकात किया तथा घटना की जानकारी लिया। उन्होंने मौके पर शोकाकुल परिवार को आर्थिक मदद करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि इस दु:ख की घड़ी में विधायक उनके साथ खड़े हैं और आगे भी रहेंगे। इस अवसर पर पूर्व मुखिया अशोक पासवान ,मुखिया प्रतिनिधि राजेंद्र साह, रमेश कुमार कुशवाहा, अजय कुशवाहा, विजय राम, दिलीप कुशवाहा, शंभू प्रसाद , किशुन राम, शिव शंकर प्रसाद, कपिल देव साह ,रामविलास घटना आदि प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता भी उपहित थे।

आम्रपाली ज्वेलर्स में दिनदहाड़े 2 लाख की लूट फायरिंग से दहशत; एक बदमाश पकड़ाया

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के कांटी थाना क्षेत्र के दामोदरपुर स्थित आम्रपाली ज्वेलर्स में शुक्रवार को हथियारबंद अपराधियों ने लूटपाट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना के दौरान अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायरिंग की तथा दुकानदार पर हमला कर उसे घायल कर दिया। हालांकि घायल अवस्था में भी दुकानदार की बहादुरी से एक आरोपी को मौके से दबाच लिया गया, जिसे बाद में स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार अपराधी दो बाइक पर सवार होकर ज्वेलरी दुकान पहुंचे थे।

मुजफ्फरपुर की लीची ने दुबई में बिखेर रही मिटास,नई तकनीक से 36 घंटे बाद भी रहती है ताजा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार की प्रसिद्ध शाही लीची ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी गुणवत्ता और मिटास का लोहा नुनवाया है। इस बार मुजफ्फरपुर की लीची बिना किसी विशेष कोल्ड चेन व्यवस्था के हवाई मार्ग से दुबई पहुंची और 36 घंटे की लंबी यात्रा के बाद भी उसकी ताजगी, रंग और स्वाद पूरी तरह बर्करार रहे। यह सफलता राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर द्वारा विकसित नई संशोधित वातावरण पैकेजिंग तकनीक की बदौलत ही हो सकी है। राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र ने पहली बार एमएपी तकनीक का उपयोग करते हुए 250 किलोग्राम लीची की खेप दुबई भेजी। यह ट्रायल पूरी तरह सफल रहा और वहां पहुंचने के बाद भी लीची की गुणवत्ता में कोई

गिरावट नहीं पाई गई। इस उपलब्धि ने लीची निर्यात के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। केंद्र के निदेशक डॉ. बिकास दास ने बताया कि एमएपी तकनीक लीची के आसपास नियंत्रित वातावरण तैयार करती है, जिससे फल लंबे समय तक ताजा बना रहता है और उसकी प्राकृतिक गुणवत्ता सुरक्षित रहती है। पूरी प्रक्रिया की वैज्ञानिक निगरानी डॉ. अंकित कुमार झा की है। विशेष पैकेजिंग के बाद लीची की खेप मुजफ्फरपुर से दरभंगा एयरपोर्ट पहुंचाई गई, जहां से इसे हवाई मार्ग से दुबई भेजा गया। इस पहल में विश्वक्सनेह एग्री एंड डेयरी प्राइवेट लिमिटेड, विश्वक्सनेह हर्ब्स एंड एरोमैटिक प्राइवेट लिमिटेड तथा तिहट हनी फेड प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस सफलता के पीछे वैज्ञानिक और स्थानीय उद्यमियों

की संयुक्त मेहनत रही है। नई पैकेजिंग तकनीक के कारण लीची को विदेशों तक सुस्थित पहुंचाने में सफलता मिली है, जिससे निर्यात के नए अवसर पैदा हुए हैं। लीची निर्यातक उद्यमी कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि पहला ट्रायल पूरी तरह सफल रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में मुजफ्फरपुर की लीची की मांग बढ़ने की उम्मीद है और किसानों को बेहतर कीमत के साथ बड़े बाजार तक पहुंचने का लाभ मिलेगा। सफल परीक्षण के बाद अब आगले वर्ष 50 टन लीची निर्यात करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह योजना सफल होती है तो मुजफ्फरपुर की लीची वैश्विक बाजार में नई पहचान बनाएगी और क्षेत्र के हजारों लीची उत्पादक किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।



सामर्रा, इराक की ऐतिहासिक मलवीया मीनार

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पिछले दिनों इराक के कई ऐतिहासिक स्थानों का भूगण करने का अवसर मिला। इराक का इतिहास प्राचीन मेसोपोटामिया की सभ्यताओं से शुरू होता है, जिसे विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं का उद्गम माना जाता है। इसी मेसोपोटामिया सभ्यता से निकली सुमेर, बेबीलोन और असीरिया सभ्यतायें भी यहीं परवान चढ़ीं। यह क्षेत्र कभी फारसी कभी यूनानी तो कभी रोमन साम्राज्यों के अधीन रहा। सातवीं सदी में जब अरबों द्वारा यहाँ इस्लाम का प्रसार किया गया उस समय बगदाद, अब्बासी खिलाफत की राजधानी बना और 16वीं सदी में यह उस ओटोमन या उस्मानीया साम्राज्य का हिस्सा बन गया जोकि इतिहास के सबसे शक्तिशाली और लंबे समय तक शासन करने वाले साम्राज्यों में से एक था। गौरतलब है कि 1299 से 1923 तक अर्थात लगभग 600 वर्षों तक उस्मानीया साम्राज्य का एशिया, यूरोप और अफ्रीका जैसे महाद्वीपों के विस्तृत भू-भाग पर नियंत्रण रहा। इसी दौर में इराक भी ओटोमन या उस्मानीया साम्राज्य के अधीन रहा। बाद में प्रथम विश्व युद्ध के बाद ब्रिटिश शासन के अधिदेश के तहत आधुनिक इराक का गठन हुआ और 1932 में इराक एक स्वतंत्र राजतंत्र बना। 1958 में यहाँ गणराज्य की स्थापना हुई। 1979 में सद्दाम हुसैन के साथ में आने के बाद से इराक 1980 से 1988 तक ईरान के सत्ता युद्धत रहा इसके बाद 1991 में कुवैत पर आक्रमण के बाद खाड़ी युद्ध में उलझा रहा। आखिरकार 2003 में अमेरिका ने इराक पर आक्रमण कर सद्दाम की सत्ता को उखाड़ फेंका। देश में इसके बाद एक नई लोकतांत्रिक सरकार तो जरूर स्थापित हुई परन्तु उसके बाद भी इसे लंबे समय तक आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता का सामना भी करना पड़ा। इराक में अमेरिकी हमलों व अलकायदा व आईएफ जैशे अजद द्वारा किये गये हमलों व तबाही के निशान अभी भी देखे जा सकते हैं। इराक का ही एक प्राचीन व ऐतिहासिक शहर है सामर्रा। यहाँ एक प्राचीन मीनार है जिसे मलवीया मीनार के नाम से जाना जाता है। अरबी भाषा के शब्द मलवीया का अर्थ घोड़े का खोल या सर्पिलाकार (स्क्रै?) होता है, जो इसके अनेखे घुमावदार डिजाइन को दर्शाता है। इसकी ऊंचाई 52 मीटर यानी 171 फीट और इसका आधार लगभग 33 मीटर अर्थात 108 फीट चौड़ा है। यह मीनार सामर्रा की महान मस्जिद यानी ग्रेट मॉस्क ऑफ सामर्रा का एक बचा हुआ भाग है। इस ऐतिहासिक मीनार का निर्माण अब्बासी खिलाफत के प्रसिद्ध खलीफा अल-मुतविकिल द्वारा 848 ईस्वी से 851 ईस्वी के बीच कराया गया था। अल-मुतविकिल ने सामर्रा को अपनी राजधानी के रूप में विकसित किया था। उस दौर में सामर्रा की यह महान मस्जिद पूरी दुनिया की सबसे बड़ी मस्जिद हुआ करती थी, जहाँ लगभग 80,000 लोग एक साथ नमाज पढ़ सकते थे। परन्तु जब 1278 ईस्वी में चंगिज खान के पोते हलाकू खान के नेतृत्व में मंगोल सेना ने इराक पर हमला किया। उसी आक्रमण में मंगोल सेना ने इस विशाल मस्जिद को नष्ट कर दिया था। इस हमले में केवल मस्जिद की बाहरी दीवारों का हिस्सा और यह अद्भुत मलवीया मीनार ही सुरक्षित बच सकीं। यह मीनार नीचे से चौड़ी और ऊपर की ओर जाते हुए संकरी यानी शंकु अथवा घोड़े का खोल के आकार की होती जाती है। इसके चारों ओर नीचे से ऊपर तक एक घुमावदार (सिद्धीदार) रास्ता बना है जो ऊपर की तरफ जाता है। इसे पूरी तरह से बलुआ पत्थर और पत्थी हुई लाल ईंटों से बनाया गया है। इतिहासकारों का मानना है कि इसका डिजाइन प्राचीन मेसोपोटामिया के जिंगुरात से प्रेरित था। इस मीनार को इतनी ऊंचाई पर इसलिए बनाया गया था ताकि नमाज से पूर्व यहाँ से दी जाने वाली अजान की आवाज पूरे सामर्रा शहर में दूर-दूर तक स्पष्ट सुनाई दे सके। वर्ष 2005 में इराक युद्ध के दौरान अमेरिका विरोधी समूह द्वारा किये गये एक बम विस्फोट में इस मीनार का ऊपरी हिस्सा मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था।

विचारों का पृथक् होना ही तो संवाद का आधार है

राजीव थेपड़ा

होता क्या है ? जब भी हमारे विचारों के खिलाफ कोई बात हमारे समुच्च आती है, तो सबसे पहले हम क्या करते हैं ? क्योंकि वह बात हमें सच नहीं है, इसलिए एकबारगी हम उसे फिर से खारिज करते हैं, बिनाकुल हीनता के, हीन ही काट देते हैं और तत्पश्चात से उसकी आलोचना में लग जाते हैं ! लेकिन ऐसा क्यों होता है ? ? बस इसलिए कि वह बात हमारे संस्कार या हमारी मानसिकता के खिलाफ होती है, किंतु हमारी मानसिकता के खिलाफ हुई बातें बत वास्तव गलत ही होती है ? ? क्या उसे गलत ही होना चाहिए ? ? यह बात सुने धुने नहीं पचती ! ! मेरी हर बात सही ही हो यह जरूरी तो नहीं किंतु मुझ को बात अवश्य है कि सही या गलत तो अपनी जगह पर कोई भी बात सही है, कभी कोई मुद्दा निकलने पर ही कोई बात की जाती है और जब बात शुरू होती है तो बात बढ़ती जाती है, बहस का विषय हो जाती है और की इस बहस में कुछ सार्थक भी घट जाता है, तो कभी यह बेहूदा दिशा की तरफ भी चली जाती है ! ! तो जिसका जो ख्याल है, वह उसे कहती है, अब यह बात अवलग है कि कोई भी कहने वाला अपने सामने वाले को कितना समझते हुए कुछ कहता है और फिर वो सामने वाला भी अपने उस सामने वाले को कितना समझता हुआ उसका जवाब देता है ! ! इसी प्रकार बातें चलती रहती हैं और अच्छ-बुरा घटना रहता है, शुभ-अशुभ का विचार बनता-बिगड़ता रहता है ! ! विचारों का घर्षण ही एक किस्म का विच्छापी है और जब कोई चीज धर पड़ित होती है तो वह निःसंदेह उस चीज को कतई नहीं गलत, क्योंकि उससे एक विषय-वमन -सा होता हुआ दिखाई देता है ! ! परिणाम हमेशा आखरी में आता है, अच्छा हो या बुरा, यह एक दीगर बात है, लेकिन हम सब एक सार्थक संवाद करते हैं और उससे की उम्मीद भी करते हैं ! ! इस दृष्टिकोण से आपका समुच्च विचार मेरे लिए गृहीणीय है और मैं आपकी सारी बात का बराबर समर्थन करता हूँ, जो दरअसल वह जानते हुए कि कहीं ना कहीं आप भी वही कह रहे हैं, जो दरअसल मेरी ही बात का दूसरा आयाम है और कहीं ना कहीं मैं भी वही बात कह रहा हूँ, जो दरअसल आप ही की बात का दूसरा आयाम है ! ! इसमें बहस नहीं तो कोई गुंजाइश ही नहीं, लेकिन यह भाषा की सीमांता है कि हम बहस कर बैठते हैं और हमें ऐसा लगता है कि हम एक दूसरे के विरोधी हैं, हालांकि ऐसा हर बार नहीं होता ! ! किसी की बात को समझने की चेष्टा भी न करना संवाद का सबसे बड़ा अंतर्विरोध है और जब तक हम इस तरह के अंतर्विरोधों में जितें हैं किसी भी संवाद का संवादीक सिरा कभी नहीं निकड़ में आता ! ! किसी को ऐसी की तैसी करना जैसे कोई विचार किसी के मन में आ गए, तो भी उसे संवाद की आपसी स्मरण क्षमता समाप्त हो गई जाती है ! बाल्क कोशिश तो यही रहनी चाहिए कि हम किसी के भी विचारों को पर्याप्त खलेपन के साथ समझ देंगे से समझें और न केवल समझें,

सकित उन्हीं चीजों की स्वयं में, अपने जीवन में आत्मता करें, जिन्हें हम कहते हैं ! एकू अली हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता किसी भी प्रकार के विचारों के साथ अपनी सामंजस्यता और साहचर्य के साथ किसी की होनी चाहिए। एक बेहतर से बेहतर इंसान होने की, बस इतनी सी चेष्टा हम अपने लिए कर लें तो कोई भी संवाद शत्रुता का भाव तो कम से कम नहीं उत्पन्न कर सकता। हमें ही हो सकता है कि उसके बावजूद भी बहुत सारी चीजें अथवा भूत हमसे भी हो जाएं। लेकिन उन चीजों की हमारी नैसर्गिकता ही है ना !? तो उन्हें पहचान कर उन्हें सुधारना यही हमारा स्वभाव होना चाहिए।

बाकी सब कुछ तो अपने आप ठीक हो जाता है। बस हमारे मन में किसी के प्रति दुर्भाव ना हो। कुल मिलाकर समस्त मान-मातंगों के बावजूद यह धरती हम में से हर एक की है। यह कहने का तात्पर्य है केवल मनुष्यों से नहीं है। हम समस्त जीवों की है यह धरती। हमारी धरती पर वैविध्य भरा यह जीवन इसकी सुंदरता बढ़ाने के लिए है। धरती की यह विविधता किसी भी प्रकार के संघर्ष के लिए नहीं है। यह तो है ही हमारे जीवन के लिए है।

विचारमंथन

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं। तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की सीधी व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है। सीमा संबंधी मुद्दों में संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आगजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं।



डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कर्कशी नीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पचास वर्षों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल-संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख औद्योगिक नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयों प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाएँ दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलता और जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान की भी महत्वपूर्ण स्थान होता है। भारत और बांग्लादेश

लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत के किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौते, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी संयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संबंध परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच निश्चय और संयोग के केवल विधायिका नहीं बल्कि पूर्व दिक्कण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है। हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में बहुत बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धी कारगर भारत की भूमिका को लेकर

अलग-अलग धाराणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत की सीखी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है। जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विवादास्पद वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं। लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तोसना नदी का निर्माण जल कृषि और औद्योगिक की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लांबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी रूचि-आँखों को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समधान में



देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया।
 है। जल संधियों के न्यायसद्वत और
 टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक
 विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता
 है। सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों
 तनाव का कारण बने हैं। तस्करी,
 अवैध आक्रान्त और सीमा सुरक्षा की
 चुनौतियों के कारण कई बाग सीमा
 पर अस्थिर घटनाएँ हुई हैं। नगरिक
 हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में
 व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और
 भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला
 है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा
 एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास
 कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम
 लोगों के मन में नकारात्मक भावनाओं को
 पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच
 सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं
 होता, बल्कि मानवीय और सामाजिक
 संबंधों से जुड़ी होती है। नगरिकता
 संशोधन अधिनियम (सीएफ) और
 राष्ट्रीय नगरिक रजिस्टर (पनआरसी)
 जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ
 आसपास उत्पन्न की। यद्यपि भारत
 ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी

आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश सरकार ने यह चिन्ता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सैनिकता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकासवादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक सहयोग और अवसरचलनात्मक संबंधों बढ़ाया है और आभार के लिए यह स्वाभाविक है कि चापल्य का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए चीन-विषयक संवेदनशीलता और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिक

और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। व्यापारी असंतुलन भी अविवश्याय के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखई है। है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की माँग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए आर्थिक सझेदारी को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों में भी संबंधों को प्रभावित किया है। आज गलत सूचनाएँ, भ्रामक प्रचार और राखवादी भावनाओं को तेज करने वाली सामग्री बहुत तेजी से फैलती है। कई बार छोटी घटनाएँ भी डिजिटल मंचों पर बड़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जाती हैं। जिससे देशों के नागरिकों के बीच गलत फहमियाँ उत्पन्न होती हैं।

ऑपरेशन मिलाप: बिछड़ों को अपनों से मिलाने का मानवीय अभियान

इस अभियान में 852 महिलाओं, 342 पुरुषों तथा 276 नाबालिग बच्चों और किशोरियों को खोजकर उनके परिजनों तक पहुंचाया गया। विशेष रूप से यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि बड़ी संख्या में किशोरियां और महिलाएं अपने परिवारों से बिछड़ गई थीं। ऐसे मामलों में समय के साथ परिवारों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। उन्हें हर पल किसी अनहोनी की आशंका सताती रहती है। ऐसे में पुलिस द्वारा इन लोगों को सुरक्षित ढूंढ़ निकालना निश्चित रूप से सराहनीय कार्य है। गुजरात पुलिस ने केवल औपचारिक जांच तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि पुराने और लंबित मामलों को दोबारा खोलकर नए सिरे से जांच की। आधुनिक तकनीक, मोबाइल फोन विश्लेषण, सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी, विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और आश्रय गृहों की जांच जैसे अनेक माध्यमों का उपयोग किया गया। शिकायतकर्ताओं और गवाहों से दोबारा संपर्क कर नए सुराग जुटाए गए। यह दशात है कि यदि इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता हो तो वर्षों पुराने मामलों में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।



कांतिलाल मांडोट
लेखक

कि सी घर का बेटा, बेटी, बहन, भाई या माता-पिता अचानक लापता हो जाएं तो उस परिवार पर क्या गुजरती है। इसका अंदाजा वही लगा सकता है जिसने इस पीड़ा को करीब से महसूस किया है। गुमशुदगी के जवान किसी व्यक्ति का घर से दूर होकर काला नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार को खुशियों, उम्मीदों और मानसिक शांति के खो जाने जैसा होता है। हर गुजरते दिन के साथ परिजनों की चिंता बढ़ती जाती है। हर दरवाजे की आहट उन्हें उम्मीद देती है कि शायद उनका अपना लौट आया हो। हर फोन कॉल उन्हें चौंका देती है। ऐसे में जब वर्षों या महीनों से बिछड़ा कोई व्यक्ति अचानक परिवार से मिल जाता है तो वह कहें किसी सम्तकाल से कम नहीं होता। गुजरात पुलिस द्वारा चलाया गया हूअरपेरशन मिलावट इसी मानवीय संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है। इस विषय पर अभियान

के अंतर्गत मात्र एक महीने में 1470 यमुनाश्रद्धा व्यक्तियों को खोजकर उनके परिवारों में सौमिलया गया। यह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि हजारों टूटते हुए परिवारों के जीवन में आशा, विवास और खुशियों का आवरण। इस अभियान में 852 महिलाओं, 342 पुरुषों तथा 1276 नाबालिग बच्चों के किशोरियों को खोजकर उनके परिवारों में यह लौटा दिया गया। विशेष रूप से यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि बड़ी संख्या में किशोरियों और महिलाएं अपने परिवारों से बिछड़ गई थीं। ऐसे मामलों में समय के साथ परिवारों की चिंता कहीं नूतन बढ़ जाती है। उन्हें हर एक किसी अनजानी की आंश का संपत्ति रहती है। ऐसे में पुनर्निर्माण द्वारा इन लोगों को सुखित दृढ़ निकालना निश्चित रूप से सहायकी कार्य है। गुजरत पुनर्निर्माण के केवल औपचारिक, जांच तथ्य को सीमित नहीं रखकर, बल्कि पुराने और लंबित मामलों को

देबाब्रा खोलकर नए सिरे से जांच की। आधुनिक तकनीक, मोबाइल फोन विश्लेषण, सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी, विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और आश्रय गृहों की जांच जैसे अनेक माध्यमों का उपयोग किया गया। शक्यतातकताओं और गवाहों से दोबारा संपर्क कर नए सुराग जुटाए गए। यह दर्शाता है कि यदि इच्छाशील और संवेदनशीलता हो तो क्यों घुरने मामलों में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त किया जा सकते हैं।

सुरत पुलिस द्वारा सर्वाधिक 341 गुमशुदा व्यक्तियों की पता लगाना भी इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय स्तर पर समर्पित प्रयास के सफल प्रकार बाह्य परिणाम दे सकते हैं।

सुरत पुलिस और प्रशासन की यह संकल्पना उन परिवारों के लिए राहत का कारण बनती है जो वर्षों से अपने प्रियजनों की प्रतीक्षा में जिन गहरे थै। इस अभियान का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है

कि इससे समाज के सामने गुमशुदगी के वास्तविक कारण भी उजागर हुआ है। पुलिस के विवेक्षण में सामने आये कि 14 से 17 वर्ष की आयु वर्ग की अनेक किशोरियाँ प्रेम संबंधों, पारिवारिक विवादों, अभिभावकों की डांट-फटकार अथवा पढ़ाई में असफलता जैसी परिस्थितियों के कारण घर छोड़कर चली गई थीं। कुछ मामले रोजगार की तलाश में जुलान करने वाले परिवारों से भी पता चला है। यहाँ एक गंभीर सामाजिक संदेश छिपा हुआ है। जीवन में कठिनाइयाँ, अक्षमताएँ, पारिवारिक मतभेद, भावनात्मक उलझन आना स्वाभाविक है। किशोरावस्था में भावनाई अधिक संवेदनशील होती है। लड़के बुरा छोटी चीजों से घटनाएँ भी बहुत बड़ी लगने लगती हैं। लेकिन घर छोड़ देना किसी समस्या का समाधान नहीं है। यह निम्न क्षणिक आवेश में लिया जा सकता है, पर उसका परिणाम बहुत गंभीर होता है। कई बार

बच्चों और किशोरों को लगता है कि उनके जन्म से परिवार को कोई फर्क नहीं पड़ेगा या कुछ दिनों बाद सब सामान्य हो जाएगा। वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत होती है। जिस दिन कोई बच्चा या किशोर घर से लापता होता है, उसी दिन से उसके माता-पिता को काँचै और नींद समाप्त हो जाती है। माँ का आँखें दबावे पर लगी रहती है। पिता बाहर से मजबूत दिखने का प्रयास करता है, लेकिन भीतर से टूट चुका होता है। भाई-बहन चिंता और असुरक्षा के बीच जीते हैं। पूरा परिवार घर-सभायित स्थान पर तलाश करता है, पुलिस थानों के चक्कर लगाता है और अर्निशमिन्ट के अंदर भी जीवन बिताता है। गुमशुदगी का अंदर देकर भावनात्मक नहीं होता, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी परिवारों को प्रभावित करता है। अनेक परिवार अपनी बचत तक खर्च कर देते हैं। कई लोग कामकाज छोड़कर अपने पित्रेजन्म

तलाश में जुट जाते हैं। मानसिक तनाव के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ भी उत्पन्न होने लगती हैं। इसलिए किसी भी परिस्थिति में परे झुड़कर चले जाने से तो समझदारी ही और न ही समस्याओं का समाधान। आज आवश्यकता इस बात की है कि परिस्थित और बच्चों के बीच संवाद को मजबूत बनाया जाए। अभिभावक बच्चों की भावनाओं को समझें और बच्चे अपने माता-पिता पर विश्वास करें। यदि पड़ोस में असफलता मिली है, किसी बात पर डांट पड़ी है या जीवन में कोई परेशानी आई है, तो उसका समाधान परिवार के से निकाल जा सकता है। पतिव्रत ही वह स्थान है जहाँ व्यक्ति को सबसे अधिक सुरक्षा, प्रेम और सहयोग मिलता है। औरंगजेब, मिलाप की सफलता केवल आँकड़ों में नहीं मापी जा सकती। इसकी वास्तविक सफलता उन हजारों मुस्मानों में दिखाई देती है जो बिछड़ने के बाद फिर से लौट आते।



वैश्विक संकट - अल-नीनो और भारत की चुनौतियाँ



जितेन्द्र कुमार सिन्हा

मानव सभ्यता आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगति के अभूतपूर्व युग के बावजूद असुक्ष्म कर्म होने बजाय बढ़ती दिखाई दे रही है। विश्व राजनीति में तनाव है, अर्थव्यवस्था अस्थिर है, युद्धों की आशंकाएँ बढ़ रही हैं और जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के सामने सबसे बड़ी चुनौत बनकर उभरा है। एक समय था जब देशों की शक्ति का आकलन केवल

उनकी संजोय क्षमता और आर्थिक
संसाधनों से सज्जा जाता था, लेकिन
आधुनिकता के अभाव में
आज परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं।
अब किसी राष्ट्र की वास्तविक ताकत
इस बात से ओंकी जाती है कि वह
संकट के समय स्वयं को कितना
संभाल पाता है। महामारी, युद्ध,
आर्थिक मंदी और प्राकृतिक आपदाओं
आज राष्ट्रों की परीक्षा लेने वाले सबसे
बड़े कारक बन चुके हैं। भारत भी
इस वैश्विक परिदृश्य से अछूता नहीं
है। एक ओर देश विषय की समस्याएँ
तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में
शामिल है, तो दूसरी ओर उसे अनेक
चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा
है। वैश्विक युद्धों का प्रभाव, तेजी
कीमतों में उतार-चढ़ाव, खाद्य
सुरक्षा, रोजगार, ऊर्जा संकट और
जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे लगातार
लाने लगा रहे हैं। स्त्री और

नानो का खतरा एका नई चुनौती के रूप में सामने आ रहा है। यदि इसके प्रभाव अपेक्षा से अधिक हानिकारक प्रमाण मिलें, तो भारत को मानसून की कमी, सूखे जल संकट और कृषि उत्पादन में गिरावट जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आज दुनिया कई मोर्चों पर संघर्षों का सामना कर रही है। यूरोप से लेकर मध्य पूर्व तक युद्ध और भी-भू-राजनीतिक टकराव जारी है। रूस-यूक्रेन संघर्ष में वैश्विक खाद्यान्न अर्ज का बाजार को प्रभावित किया है। उसका कारण गेहूँ, उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में अस्थिरता बनी हुई है। दूसरी पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने तेल की कीमतों को अस्थिर कर दिया है। तेल की कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी भारत जैसे आयात-निर्भर देशों की अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव डालने

है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा की वैश्विक अवस्थ्यस्था के लिए चिंता का विषय है। तकनीकी वर्चस्व, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। इन परिस्थितियों में भारत को अपनी आर्थिक गति बनाए रखने के साथ-साथ खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यदि हम पिछले कुछ वर्षों पर नजर डालें तो हमें यह कि प्रकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ी हैं। कहीं अभूतपूर्व बाढ़ आ रही है, तो कहीं सूखें। तब तक की स्थिति बनी हुई है। हिमनद तेजी से पिघल रही है, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है और तापमान लगातार नए रिकार्ड बना रहा है। वैज्ञानिकों का मानना ​​है कि

वैश्विक तापमान में वृद्धि का सबसे बड़ा कारण मानवीय गतिविधियाँ हैं। जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, जैसा कि कटाई और औद्योगिक प्रदूषण ने पृथ्वी की जलवायु प्रणाली को प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, हमें मौसम के पारंपरिक पैटर्न बदल रहे हैं। मानसून, जो भारतीय कृषि और अर्थव्यवस्था की जीवरेखा माना जाता है, अब पहले की तुलना में अत्यधिक अनिश्चित होता जा रहा है। अल-नीनो प्रशांत महासागर के दक्षिणपूरबीय क्षेत्र में समुद्री सतह के तापमान में असामान्य वृद्धि की स्थिति को कहा जाता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रशांत महासागर के पश्चिमी भाग में गर्म पानी और पूर्वी भाग में अपेक्षाकृत ठंडा पानी रहता है। लेकिन अल-नीनो के दौरान यह संतुलन बिगड़ जाता है और समुद्री तापमान बढ़ जाता है। इसके परिणामस्वरूप बड़े महासागर तक फैले प्रारंभिक नदी रहता बर्फ़ की टिंगल

मौसम को प्रभावित करता है। भारत के लिए इसकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि अल-नीनो अवसर कमजोर मानसून से जुड़ा होता है। चूँकि भारत की लगभग आधी कृषि वर्षा पर निर्भर है, इसलिए मानसून में थोड़ी-सी कमी भी व्यापक प्रभाव डाल सकती है। भारतीय मानसून विषय की सबसे अधिकृत मौसम प्रणालियों में से एक है। इस के लगभग 60 प्रतिशत कृषि क्षेत्र की सिंचाई मानसून पर निर्भर करती है। इसके अलावा पेयजल, जलाशय, जलबंजरी उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मानसून से जुड़ी हुई हैं। तिहास बताता है कि भारत में कई ऐसे सुखे वाले वर्ष अल-नीनो से जुड़े हैं हैं। हालाँकि हर अल-नीनो वर्ष समान नहीं पड़ता, लेकिन मानसून में संजोरा होने की संभावना बढ़ जाती है। यदि मानसून सामान्य से कम रहता तो सबसे पहले कृषि क्षेत्र प्रभावित होता है।

भू-अर्जन में तेजी लाकर विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा करें : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शनिवार को विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की भू-अर्जन प्रक्रिया एवं कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क, बाईपास, आरओबी, राष्ट्रीय राजमार्ग, डबल डेकर सड़क, भवन निर्माण तथा बाढ़ सुरक्षा योजनाओं की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भू-अर्जन से जुड़े लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित कर सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाए। उन्होंने एकमा-डुमाईगढ़, एकमा-मशरख पथ, छपरा बाईपास-मैडिकल कॉलेज मार्ग, गरखा बाईपास, परसा बाईपास

संक्षिप्त खबरें

दिघवारा मेतीन लौ लीटर देशी शराब

जब्त,तीन धंधेबाज गिरफ्तार

दिघवारा। बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद दिघवारा मे शराब के धंधेबाज शराब निर्माण तथा तस्करी से बाज नहीं आ रहे हैं। पुलिस द्वारा अयेय दिन शराब माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाकर करवाई की जाती है फिर भी इन धंधेबाजों पर कोई असर नहीं होता है इसी कड़ी में दिघवारा पुलिस ने थापा क्षेत्र के अमी दियारा तथा पश्चिमी रेलवे फाटक के समीप से 300 लीटर देशी शराब को जप्त किया है साथ ही दो तस्कर को एक बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया।इस दौरान शराब भट्टी को ध्वस्त करने के साथ लगभग तीन हजार लीटर निर्मित शराब को नष्ट किया गया।वही दिघवारा पश्चिमी रेल फाटक के पास एक बाइक सवार युवक को 80 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।थानाध्यक्ष ने बताया कि कुल तीन तस्कर को गिरफ्तार किया गया है,वही इस कार्य में सलिलत तीन अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दिघवारा मे शराब लदा पिकअप दुर्घटनाग्रस्त,लोगों ने शराब लुटा
दिघवारा। थाना क्षेत्र के छपरा-हाजीपुर फोरलेन मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक पिकअप वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना विघन घटक के समीप हुई। हादसे के बाद वाहन में छिपाकर रखी गई अवैध शराब सड़क पर बिखर गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पिकअप में एक तहखाना बनाकर अवैध रूप से अंग्रेजी शराब की तस्करी का रीी रही थी। दुर्घटना इतनी जोरदार थी कि वाहन का एक पहलू बिगड़ गया और उसमें छिपाकर रखे गए शराब के पैकेट सड़क पर फेल गए। शराब सड़क पर बिखरते ही राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कई लोग शराब के पैकेट छतार मौके से फरा हो गए। इस दौरान घटनास्थल पर कुछ दूर के लिए लूटपाट और अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। सूचना मिलते ही दिघवारा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घटनास्थल से बची हुई शराब और दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है।

एकआई भरत शराब ने बताया कि जब्त की गई शराब ह्यऑफिसर चॉइसहू ब्रांड के टेट्रा पैक में थी, जिसकी कुल मात्रा लगभग 60 लीटर है। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गई। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।

छोटा परिवार, सुखी परिवार

पानापुर (सारण)प्रखंड के धेनुकी गांव में शनिवार को आशा कार्यकर्ताओं एवं फैसिलेटर को परिवार नियोजन के बारे में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।जननी एवं मोबियस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन बिसीएम परवेज रजा एवं जननी के जिला क्षेत्र समन्वयक पवन कुमार ने किया। जननी के क्षेत्र समन्वयक पवन कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर की आशा कार्यकर्ताओं को परिवार नियोजन के लाभों और इससे संबंधित स्थायी एवं अस्थायी उपायों की जानकारी को सरल और सुगम भाषा में आम जनता तक पहुंचाने के लिए किया गया। उन्होंने बताया कि लोगों को छोटे परिवार के फायदे के विषय में जानकारी दिया गया वहीं दो बच्चों के जन्म के बीच अंतराल रखने की आवश्यकता और इससे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में जानकारी सझा की गयी।बाद में आशा कार्यकर्ताओं ने मोबाइल वैन टेलीवीजन वीडियो के माध्यम से घर घर जाकर महिलाओं को जागरूक किया।इस मौके पर एएनएम सुमन प्रिया, दिलीप कुमार सहित पंचायत के आशा कार्यकर्ता उपस्थित थी।

सारण में सड़क, बाईपास, आरओबी और डबल डेकर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा



एवं अमनौर बाईपास परियोजनाओं में मुआवजा भुगतान और भू-अर्जन प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में गोल्डेनगंज आरओबी, रिविलगंज-बिसुनपुरा बाईपास, वाकरपुर-मानिकपुर सड़क, शेरपुर-दिघवारा रिंग रोड तथा रामजानकी

इसुआपुर के सहवां में चला बुलडोजर, सरकारी पोखर की भूमि से हटाया अतिक्रमण



इसुआपुर । स्थानीय थाना क्षेत्र के सहवां गांव के वार्ड संख्या 12 स्थित सरकारी पोखर की अतिक्रमण की गई भूमि को शुक्रवार को प्रशासन ने बुलडोजर चलवाकर अतिक्रमण मुक्त कराया। अनुमंडल देंडाधिकारी मट्टौरा के निर्देश के आलोक में अंचलाधिकारी सतीश कुमार सिंह, थानाध्यक्ष गौरव कुमार गौरव, मनरेगा तकनीकी सहायक दानचंद साहू, अमीन पुष्पा कुमारी, एसआई संजय कुमार शर्मा तथा पुलिस बल की मौजूदगी में उक्त कार्रवाई की गई। अंचलाधिकारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि उक्त सरकारी भूमि को छः लोगों द्वारा वर्षों से अतिक्रमण किया गया था। पूर्व में भूमि की मापी कर सीमांकन किया गया था। लेकिन संबंधित व्यक्तियों द्वारा स्वामित्व से जुड़े कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। साथ ही बताया कि यह पोखरा ग्रामीणों की सुविधा के लिए वर्षों पहले बनाया गया था। जिसे कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया था। आज प्रशासनिक कार्रवाई के तहत भूमि को अतिक्रमण मुक्त करारकर सरकारी कब्जे में ले लिया गया।

छपरा हाजीपुर फोरलेन का हाल बेहाल

●एक साल में ही खुली विकास की पोल,जगह जगह सड़क टूट

प्रात : किरण संवाददाता

दिघवारा। छपराझाहाजीपुर फोरलेन जिसे क्षेत्र के विकास की रीढ़ माना जा रहा था,आज खुद ही बदहाली का प्रतीक बन चुका है।करोड़ों रुपये की लागत से बनी यह सड़क अभी ठीक से एक साल भी पूरा नहीं कर पाई है, लेकिन थोड़ी सी बारिश ने ही इसकी असलियत उजागर कर दी है। अकेले दिघवारा के आसपास दर्जनों स्थानों पर सड़क का किनारा पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। कहीं सड़क का किनारा बह गया है तो कहीं किनारे की मिट्टी बह गई तो कहीं डामर

उखड़ गया है। हालात इतने खराब हैं कि सड़क पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार कभी भी थम सकती है और बड़ा हादसा होने की आशंका लगातार बनी हुई है। गुणवत्ता पर गंभीर सवाल यह स्थिति साफ तौर पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर बड़े सवाल खड़े करती हैं। जिस सड़क को वर्षों तक टिकाऊ होना चाहिए था, वह कुछ महीनों में ही टूटने लगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण में मानकों की अनदेखी की गई और घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। थोड़ी सी बारिश में ही सड़क का यह हाल है, तो आगे क्या होगा? – यह सवाल अब काराहगीर और स्थानीय निवासी के मन में उठ रहा है। डेढ़ दशक का इंतजार,

चकिया पंचायत में खरीफ किसान चौपाल का हुआ आयोजन

पानापुर सारण । प्रखण्ड के चकिया पंचायत में शनिवार को खरीफ किसान चौपाल का आयोजन किया गया। आत्मा के सौजन्य से आयोजित इस चौपाल कार्यक्रम का उद्देश्य खेत बचाओ अभियान था। इस कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञो ने उपस्थित किसानों को मुदा स्वास्थ्य संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक किया गया। कृषि विशेषज्ञों से खरीफ फसलों की उन्नत खेती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं तकनीकी प्रबंधक सत्य कुमार ने किसानों को लाभकारी सूक्ष्म जीवों के महत्व के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिसके कारण भूमि की उत्पादकता धीरे-धीरे कम होती जा रही है।इस समस्या के समाधान के लिए किसानों को जैविक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि रासायनिक उर्वरकों का उपयोग आवश्यकता के अनुसार सीमित मात्रा में ही करें तथा जैव उर्वरकों और प्राकृतिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा दें। इससे उत्पादन लागत में कमी आने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।इन्होंने किसानों को मुदा परीक्षण कराने तथा उसके आधार पर ही उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी। वहीं सहायक तकनीकी प्रबंधक रंजन कुमार पांडेय ने किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री के महत्व के बारे में जानकारी दी।इन्होंने बताया कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों का पंजीकरण अत्यंत आवश्यक है। फॉर्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों का एकूणकृत डाटाबेस तैयार किया जा रहा ।

मजदूर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

डोरिंगंज । थाना क्षेत्र के मुसेपुर चौक के समीप किराये के मकान में मिठाई दुकान में काम करने वाले एक मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। घटना शनिवार की है। मृतक उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िला के रानीगंज निवासी 35 वर्षीय अमरनाथ गुप्ता बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार सुबह मिठाई दुकान में बेहतरीन ड्यूटी कर अमरनाथ आराम करने की बात कह करमें चला गया।कमरा मुसेपुर चौक के समीप ही है। जब बारह बजे तक वापस दुकान पर नहीं आया तो उसके कमरे पर बुलाने मालिक गये तो दरवाजा अंदर से बंद था। बार बार आवाज दिया गया फिर दरवाजा पीटा गया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। जिसके बाद स्थानीय मुखिया,112 और डोरिंगंज पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के बाद मौके पर डोरिंगंज पुलिस,112 और स्थानीय मुखिया घटनास्थल पर पहुंचे। जहां दरवाजा को तोड़ा गया। जब कमरे के अंदर प्रशासन गयी तो देखा कि मग़्गल के फंदे में शव लटक रहा है। शव को प्रशासन के द्वारा नीचे उतारा गया। घटना की सूचना परिजनों को दूरभाष पर दे दी गई है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेजने की तैयारी कर रही है। वहीं फोरेंसिक जांच की टीम को भी घटनास्थल पर आने की सूचना दे दी गई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। शनिवार को अमनौर कृषि भवन में खरीफ महाभियान 2026 के तहत प्रखंड स्तरीय खरीफ कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव कुमार सिन्हा, परियोजना उप निदेशक शमशेर आलम,बीएओ सुप्रिया रानी,बीएचओ पूजा कुमारी,पशुपालन पदाधिकारी संजीव कुमार व पूर्व जिला परिषद विक्रमा माझी आदि ने किया।इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव कुमार सिन्हा द्वारा उपस्थित किसानों को खरीफ महाभियान खरीफ उत्पादन कार्यक्रम के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।इन्होंने खरीफ फसल में मक्का की खेती करने पर बल

पुलिस और आर्मी में चयनित अभ्यर्थियों को किया गया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर । प्रखंड के जैथर गांव स्थित सैनिक ट्रेनिंग सेंटर एवं सैनिक फिजिकल अकेडमी के प्रांगण में शुक्रवार की संध्या एक समारोह आयोजित कर बिहार पुलिस, आर्मी एवं बीएसपी में चयनित सैकड़ों छात्र-छात्राओं के सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के संस्थापक मुन्ना सिंह तथा संचालन बंटो ओझा ने किया। इस मौके पर अकेडमी की ओर से सफल अभ्यर्थियों को मेडल, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुन्ना सिंह ने चयनित अभ्यर्थियों की मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही बताया कि अकेडमी के इस बैच से 33 अभ्यर्थियों का चयन बिहार पुलिस, आर्मी एवं बीएसपी में हुआ है। यहां प्रतिवर्ष 100



से 150 अभ्यर्थी विभिन्न सेवाओं में चयनित हो रहे हैं। वहीं प्रशिक्षण कुंदन सिंह ने बताया कि पिछले एक वर्ष में अकेडमी के 152 अभ्यर्थियों का विभिन्न सेवाओं में चयन हुआ है। समारोह में उपस्थित जिला परिषद की उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी उनसे प्रेरणा लेकर

यह है कि इस गंभीर समस्या पर अब तक न तो स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई ठोस पहल दिख रही है और न ही प्रशासन की ओर से कोई सख्त कार्रवाई। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। टूटी सड़क नहीं,टूटा विश्वास यह सिर्फ एक सड़क का टूटना नहीं है, बल्कि जनता के भरोसे का भी टूटना है। जिन उम्मीदों के साथ इस फोरलेन को बनाया गया था, वह आज धराशायी होती नजर आ रही हैं। यदि जल्द ही इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है – और तब जिम्मेदारी तय करनी मुश्किल नहीं, बल्कि शर्मनाक होगा।

मेडिकल कॉलेज पहुंचापथ के लिए भूमि अधिग्रहण पर किसानों का विरोध

प्रात : किरण संवाददाता

डोरिंगंज । सारण में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज के पहुंचपथ निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण की लेकर शेरपुर माला मौजे के किसानों में गहरा असंतोष व्याप्त है। प्रभावित रैयतों का आरोप है कि उनकी बहुमूल्य कृषि भूमि के बदले सरकार द्वारा निर्धारित मुआवजा दर वास्तविक बाजार मूल्य की तुलना में बेहद कम है। इसे लेकर शनिवार को माला गांव में किसानों की एक अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सरकार की मुआवजा नीति के खिलाफ तीखी नाजगगी व्यक्त की गई।किसानों ने बताया कि हाल ही में भू-अर्जन विभाग की ओर से उन्हें नोटिस जारी कर भूमि संबंधी दस्तावेज 26 जून तक जमा करने का निर्देश

दारौंदा बाजार पर जिला पार्षद छून्नी बाबू के द्वारा लगाई गई हाईमास्ट/स्ट्रीट लाइट



है, जिससे स्थानीय दुकानदारों, राहगीरों और आम लोगों को काफी सुविधा मिल रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले शाम दलते ही बाजार के कुछ हिस्सों में अंधेरा छा जाता था, जिससे आवागमन में परेशानी होती थी। नई लाइट लगने के

प्रखंड स्तरीय शारदीय खरीफ कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



दिया।तथा खरीफ मौसम में कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी।वही परियोजना उपनिदेशक शमशेर आलम ने मोटा अनाज की खेती करने के लिए प्रेरित किया।तथा किसानों को धान, मक्का,

रागी,कोदो,बाजरा,सवा,च्चार ,कंगनी आदि मोटे अनाज की खेती करने पर बल दिया।किसानों को फसल चक्र के बारे में जानकारी दी।प्रखंड उद्दान पदाधिकारी पूजा कुमारी ने बताया कि किसान पर सारा विश्व निर्भर करता है।आज भी

70 प्रतिशत किसान खेती पर निर्भर है।वही केएस तथा कृषि समन्वयक अविनाश कुमार ,यशवंत सिंह ,

अजय कुमार सिंह,प्रशांत कुमार सिंह,चंद्रशेखर सिंह,वैभव कुमार तथा अजीत कुमार ने भी खरीफ फसल के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की अपील की ,तथा जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम मौसम परिवर्तन के परिपेक्ष में धान की सीधी बुआई एवं कृषि यांत्रिकरण आदि की विस्तृत जानकारी दी।मंच संचालन यशवंत सिंह ने किया।कार्यक्रम में किसानों द्वारा भी कई सवाल पूछे गये।इस अवसर पर लेखपाल सुधीर कुमार,एटीएम, रामाधार यादव,राकेश सिंह, मंटू कुमार , घनश्याम मिश्रा, अनुराध कुमारी आदि सहित सैकड़ो किसान मौजूद थे। वहीं धन्यवाद ज्ञापन अजय कुमार ने किया।.

देश में विरोधियों की सभी दुकानें हो गई है बंद: जिलाध्यक्ष

दरियापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारह साल बेमिसाल कार्यकाल साबित होने के कारण विरोधियों की दुकानें बंद हो गई है।भाजपा एक ऐसी पार्टी है जिसकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं होता है।उक्त बातें प्रखंड क्षेत्र के विश्वंभरपुर स्थित रामजी शर्मा के आवास पर आयोजित 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने कही।इन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन की सरकार चाहे केन्द्र की हो या राज्य की सभी ने हर क्षेत्र में काफी विनाश किया है।देश में पथ,परिवहन,शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उद्योग में तेज रफ्तार से तस्करी करने के साथ ही चिकित्सा महाविद्यालय तथा अभियंत्रण महाविद्यालय की संख्या भी काफी बढ़ाई गई है।इसके साथ ही किसी भी योजना का नीति निर्धारण समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है।जिससे बिना किसी भेद भाव के सबका विकास सुनिश्चित किया जा सके।भाजपा के वरीय नेता सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने कहा कि एनडीए की सरकार ने जनता से जो वादा किया,उसे पूरा भी किया जा रहा है।हालांकि में सांसद के द्वारा दरिदरा में हवाई अड्डा, फौर लैन सड़क,गैस पाइप लाइन,डबल डेकर पुल, नमामी गंगो योजना के तहत विभिन्न नदी घाटों का निर्माण तथा खुनुआ नाला का जीर्णोद्धार जैसा महत्वपूर्ण कार्य करा सारण में विकास की गंगा बहाने का कार्य किए है।भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश ओझा ने मौजूद ग्रामीणों को सरकार की नीतियों को विस्तार से समझते हुए कहा कि एनडीए की सरकार ने देश को सिर्फ अंदर से ही नहीं बल्कि बाहर से भी शसक्त एवं मजबूत बनाया है।प्रधानमंत्री की नीतियों का ही नतीजा था कि पाकिस्तान को भी घुटने टेकने लड़े।इसके साथ ही उन्होंने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के लिए कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा किए गए अथक परिश्रम के प्रति आभार व्यक्त किया।मंडल अध्यक्ष सह सरपंच मंटू बाबा ने भी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए ग्रामीणों को अवगत कराया।

छपरा पहुंचे आनंद मिश्रा ने 12 साल विश्वास के, विकास के जनकल्याण मीडिया संवाद में गिनाई गई केंद्र सरकार की उपलब्धियां

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय । केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 12 साल विश्वास के, विकास के जनकल्याण मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को सारण जिला कार्यालय परिसर स्थित पश्चिमी विश्वालय में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बक्सर के आनंद मिश्रा उपस्थित रहे। उनके साथ महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्ग्रीवाल तथा ‘ नेता सच्चिदानंद राय ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित किया।मीडिया संवाद के दौरान आनंद मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश में हुए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी

रात्रि चौपाल से चमकी बुखार को धमकी, गांव-गांव जागरूकता की अलख जगा रहे पीएसपी सदस्य

छपरा। जिले में चमकी बुखार (एक्स्ट्रेंसिफेलाइटिस सिंड्रोम) और जापानी इंसेफेलाइटिस की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है। संभावित खतरे को देखते हुए विभाग उपचार व्यवस्था के साथ-साथ सामुदायिक जागरूकता पर विशेष फोकस कर रहा है। इसी लक्ष् में गांव-गांव रात्रि चौपाल का आयोजन कर लोगों को चमकी बुखार के लक्षण, बचाव और समय पर इलाज की जानकारी दी जा रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर गठित सीएचओ-पीएसपी (पेशेंट स्ट्रेटहोल्डर प्लेटफॉर्म) के सदस्य ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। रिविलगंज प्रखंड के विभिन्न गांवों में आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। चौपाल के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से चमकी बुखार से संबंधित जागरूकता वीडियो दिखाए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को बीमारी की गंभीरता और उससे बचाव के उपायों की आसान भाषा में जानकारी मिल सके। मुखिया ने पंचायत के लोगों को किया जागरूक रिविलगंज प्रखंड के कचनार गांव में आयोजित रात्रि चौपाल का नेतृत्व पंचायत के मुखिया सह सीएचओ-पीएसपी सदस्य नागेंद्र कुमार राम एवं सांुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) शिवा मेहता के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जीविका सोपम बेवी देवी, पुनिता देवी, फाइलेरिया मरीज एवं पीएसपी सदस्य बबन कुमार राम, प्रभु राम तथा आशा कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित कुल 76 ग्रामीणों ने भाग लिया। वहीं मुबारकपुर गांव में सीएचओ-पीएसपी सदस्य विवेक सिन्हा (शिक्षक), राहुल कुमार (फाइलेरिया मरीज) तथा स्थानीय वार्ड सदस्य के सहयोग से रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और चमकी बुखार से संबंधित जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों में जागरूकता की उत्सुकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई महिलाएं, जो सामाजिक कारणों से सार्वजनिक स्थान पर बैठकर कार्यक्रम नहीं देख सकती थीं, उन्होंने अपने नर्म को छतों से पूरा वीडियो देखा और बीमारी से बचाव की जानकारी हासिल की। चमकी की तीन धमकियां हमेशा याद रखनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान वेक्टर बंद डिजोजी सुपरवाइजर (वीबीडीएस) घनश्याम यादव ने ग्रामीणों को चमकी बुखार से बचाव के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अभिभावक को हृचमक की तीन धमकियांहमेशा याद रखनी चाहिए। पहला, बच्चों को कभी भी खाली पेट नहीं सुलाना चाहिए तथा सोने से पहले कुछ मीठा अवश्य खिलाना चाहिए। दूसरा, रात में एक-दो बार बच्चे को उठाकर देखना चाहिए कि वह सामान्य स्थिति में है या नहीं तथा सुबह समय पर जगाना चाहिए। तीसरा, यदि बच्चे में बेहोशी, तेज बुखार, शरीर में ऐंठन या चमकी बुखार के अन्य लक्षण दिखाई दें तो बिना देर किए उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए। हाईटेक जागरूकता रथ पहुंचा रही बचाव का संदेश स्वास्थ्य विभाग द्वारा चमकी बुखार और जापानी इंसेफेलाइटिस के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष जागरूकता रथ भी संचालित किया गया है। निर्धारित रूट चार्ट और रोस्टर के अनुसार ऑडियो-वीडियो सुविधाओं से लैस यह प्रचार वाहन जिले के गांवों, गली-मोहल्लों, प्रमुख चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रहा है।

संक्षिप्त खबरे

सहार में जुलाई माह का राशन का उठाव 70 प्रतिशत रहा

आरा । सहार- सहार प्रखंड क्षेत्रों में जुलाई माह का राशन का उठाव नहीं हो पाया है। उठाव नहीं होने से राशन उपभोक्ताओं को काफी परेशानी उठाना पड़ रहा है। राशन दुकानदारों ने बताया कि जुन माह का राशन मिल गया है। जुलाई माह का भी थोड़ा बहुत राशन मिला है। मगर सभी उपभोक्ताओं को उठाव नहीं होने के कारण राशन नहीं मिल पाया है। काफी राशन उपभोक्ता अथर उधर जन विगण दुकानदार राशन दुकानदारों पर राशन के लिए घुम रहे हैं। इस संबंध में मार्केटिंग ऑफिसर सहार सनोज कुमार से बात करने पर उन्होंने कहा कि ट्रक औनरों द्वारा कुछ मुद्दों पर हड़ताल पर चले गये हैं। एक दो दिनों में हड़ताल समाप्त होने के बाद सभी जन विगण अणाली दुकानदारों को राशन मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मसला सहार में सही नहीं है। पुरे भोजपुर जिला में हड़ताल के कारण राशन का नहीं पहुंचा है।

होटल प्लाजा के समीप सड़क हादसा, स्कूटी सवार दो युवक गंभीर घायल

कोईलवर । भोजपुर जिले के कुल्हड़िया गांव स्थित टोल प्लाजा के समीप शनिवार को हुए सड़क हादसे में स्कूटी सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर एनएच एम्बुलेंस की टीम ने दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल, आरा पहुंचाया। घायलों की पहचान मधेपुरा जिले के निवासी चंदन कुमार एवं सोलखानंद के रूप में हुई है। चिकित्सकों के अनुसार चंदन कुमार का एक पैर टूट गया है, जबकि दूसरे युवक के सिर में गंभीर चोट आई है। दोनों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घायलों ने बताया कि वे स्कूटी से पटना से आरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुल्हड़िया टोल प्लाजा के समीप रांग साइड से तेज राफत में आ रही एक कार ने उनकी स्कूटी में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक वाहन लेकर कोईलवर की ओर फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर एनएच एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल भेजा। घटना के बाद कुछ देर तक इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर फरार वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। तेजशीर्षक: रांग साइड से आ रही तेज रफ्तार कार ने माी टक्कर, चालक वाहन समेत फरार।

चार माह से लापता युवती रायपुर से बरामद, न्यायालय के आदेश पर ससुराल पक्ष को सौंपी गई

कोईलवर । चांदी थाने की पुलिस ने चार माह से लापता एक युवती को सुकुशल बरामद कर मामले का सफल उद्देदन किया है। पुलिस ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में छापेमारी कर युवती और नामजद युवक को बरामद किया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने बताया कि 5 फरवरी 2026 को थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपनी पुत्री के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज मामले में लोदीपुर गांव निवासी मुना सिंह के पुत्र राघवेंद्र प्रताप उर्फ बजरंगी को नामजद आरोपी बनाया गया था। युवती के पिता ने आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री का अपहरण कर उसे भगा ले जाया गया है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस लगातार युवती की बरामदगी और मामले के अनुसंधान में जुटी हुई थी। तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि युवक और युवती रायपुर में रह रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वहां छापेमारी कर दोनों को बरामद कर लिया।शनिवार को दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां युवती का बयान दर्ज कराया गया।

कोईलवर में भूमि एवं रास्ता विवाद के दो दर्जन मामलों की हुई सुनवाई विधि-व्यवस्था बनाए रखने को ले चार थानों के एसएचओ रहे मौजूद

प्रातः किरण संवाददाता कोईलवर। शनिवार को भोजपुर जिले के कोईलवर अंचल कार्यालय में भूमि विवाद से संबंधित मामलों की सुनवाई अंचलाधिकारी प्रियंका कुमारी की अध्यक्षता में की गई। इस दौरान लगभग दो दर्जन मामलों की सुनवाई हुई तथा कई मामलों में जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।सुनवाई के दौरान कोईलवर थाना क्षेत्र के सक-डुड़ी गांव निवासी जगुल कुमार गुप्ता एवं रविंद्र साव के बीच निजी जमीन पर बांड़ड़ निर्माण को लेकर विवाद का मामला सामने आया। प्रथम पक्ष ने आरोप लगाया कि उनकी खाली जमीन पर दूसरे पक्ष द्वारा बांड़ड़ बना दी गई है। दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद अंचलाधिकारी ने संबंधित अमीन एवं राजस्व कर्मचारी को दो सप्ताह के भीतर मामले की जांच कर रिपोर्ट देने

भोजपुर में बन रहा बिहार का पहला इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क 15 जून को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के उदवंतनगर प्रखंड के नवादाबेन गाँव स्थित ऐतिहासिक बाणासुर मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में बिहार का पहले इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क का निर्माण होना। करीब 31.20 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल राज्य में मत्स्य उत्पादन को नई ऊंचाई देगी, बल्कि रोजगार, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत विकसित होने वाला यह आधुनिक एक्वा पार्क लगभग 32 एकड़ क्षेत्रफल में फैला होगा। आगामी 15 जून को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा इसके शिलान्यास के साथ ही बिहार में वैज्ञानिक और आधुनिक मत्स्य पालन के नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है। इस परियोजना के शुरू होने के बाद राज्य को उच्च गुणवत्ता वाले मत्स्य बीजों के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भरता कम करनी पड़ेगी।

ऐतिहासिक बाणासुर तालाब को मिलेगी नई पहचान

इस परियोजना की सबसे खास बात यह है कि इसके माध्यम से वर्षों से



उपेक्षित ऐतिहासिक बाणासुर तालाब का कायाकल्प होगा। पौराणिक महत्व और समृद्ध इतिहास से जुड़ा यह स्थल अब आधुनिक तकनीक और विकास का केंद्र बनने जा रहा है। परिसर में राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक कॉर्प हैंचरी (मछली प्रजनन इकाई), प्रशिक्षण केंद्र और अन्य आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। यह पहल एक और जहां ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण का कार्य करेगी, वहीं दूसरी ओर उसे आधुनिक विकास से जोड़कर राष्ट्रीय पहचान दिलाए का मार्ग प्रशस्त करेगी।

रोजगार और आत्मनिष्ठा का नया केंद्र

इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क स्थानीय युवाओं, किसानों और मछुआरों के लिए रोजगार के नए अवसर लेकर आएगा। परिसर में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, मत्स्य रोग जांच एवं निदान केंद्र, प्रोसेसिंग यूनिट तथा प्रशिक्षण सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे प्रत्यक्ष रूप से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा, जबकि व्यापार, परिवहन और सप्लाई एक्वा पार्क भोजपुर ही नहीं, बल्कि अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। यह परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों से होने वाले पलायन को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा युवाओं को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी।

राजस्व महाअभियान के आवेदनों की स्कैनिंग व अपलोडिंग का कार्य तेज

■ शनिवार को एक दिन में 500 आवेदन हुए अपलाई प्रातः किरण संवाददाता

कोईलवर। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निर्देश पर भोजपुर जिले के कोईलवर अंचल कार्यालय में राजस्व महाअभियान के तहत प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। शनिवार को अंचल कार्यालय परिसर में विशेष अभियान चलाकर बड़ी संख्या में आवेदनों की स्कैनिंग, अपलोडिंग

एवं ऑनलाइन अपलाई करने का कार्य किया गया। राजस्व अधिकारी राजभूपण सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 11 जून से 17 जून तक विशेष महाअभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत पिछले वर्ष राजस्व महाअभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों को डिजिटल माध्यम से अपडेट करने, स्कैनिंग करने तथा संबंधित पोर्टल पर अपलोड कर अपलाई करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए अंचल कार्यालय में दो दर्जन

से अधिक अमीनों एवं राजस्व कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। राजस्व अधिकारी ने बताया कि शनिवार को कोईलवर प्रखंड की सभी 17 पंचायतों एवं नगर पंचायत क्षेत्र से संबंधित आवेदनों पर कार्य किया गया। इस दौरान 500 आवेदनों की स्कैनिंग, अपलोडिंग एवं ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी की गई। उन्होंने कहा कि आवेदनों आवेदनों के माध्यम से संबंधित आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे आम लोगों को राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके।

पेड़ कटाई मामले में प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल,दस दिन बाद भी कार्रवाई नहीं

प्रातः किरण संवाददाता आरा । गुलजारपुर/सहार (भोजपुर)। सरकार जहां जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा दे रही है, वहीं सहरा प्रखंड के बाबी गांव में फलदार पेड़ों की कटाई के मामले में प्रशासनिक उदासीनता चर्चा का विषय बनी हुई है। पीड़ित द्वारा आवेदन दिए जाने के दस दिन बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है।पीड़ित रवि कुमार पांडेय ने आरोप लगाया है कि उनके निजी बगीचे में लगे आम, जामुन, आंवला समेत कई फलदार



पेड़ों को सरकारी कार्य के दौरान काट दिया गया। इस संबंध में उन्होंने 4 जून को स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर जांच एवं कार्रवाई की मांग की

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भाजपा का मीडिया सवाद



प्रातः किरण संवाददाता

आरा। केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भाजपा भोजपुर द्वारा आरा परिसदन सभागार में मीडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक के अनुसार, कर्मचारियों को जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त मौखिक रूप से आए दर्जनभर से अधिक मामलों का दोनों पक्षों की सहमति से मौके पर ही समाधान कराया गया।सुनवाई के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोईलवर, चांदी, गीथा एवं बबुरा थाना के थानाध्यक्ष क्रमशः नरोत्तमचंद्र, राकेश कुमार रौशन, राजीव कुमार एवं संजय कुमार उपस्थित रहे। सभी थानाध्यक्षों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों से संबंधित मामलों में विधि-व्यवस्था के संधारण में सक्रिय भूमिका निभाई।

रोस्टर मंजूरी में देरी से विश्वविद्यालयों की नियुक्ति प्रक्रिया फिर धीमी, कर्मचारियों की सूची अब भी लंबित

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। राज्य के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की बहुप्रतीक्षित नियुक्ति प्रक्रिया एक बार फिर रोस्टर संबंधी औपचारिकताओं के कारण प्रभावित होती दिख रही है। शिक्षा विभाग द्वारा कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद अधिकांश विश्वविद्यालय अब तक कर्मचारियों के रिक्त पदों का रोस्टर उपलब्ध नहीं करा सके हैं। हालांकि शिक्षकों के पदों का रोस्टर तिलका मांझी भामलपुर विश्वविद्यालय सहित कुछ विश्वविद्यालयों द्वारा शिक्षा विभाग को भेज दिया गया है।शिक्षकों के रोस्टर को आयुक्त कार्यालय से स्वीकृति प्राप्त होने में काफी समय लगा, जबकि कर्मचारियों के रोस्टर का मामला अभी भी कई विश्वविद्यालयों

में लंबित है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी विश्वविद्यालयों से रोस्टर प्राप्त होने के बाद ही नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। रोस्टर के आधार पर आरक्षण एवं विभिन्न वर्गों के अनुसूचित जाति की निर्धारण किया जाएगा, जिसके बाद संबंधित आयोग विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित करेगा।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा सहित राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में भी कर्मचारियों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। नियमित नियुक्तियां नहीं होने के कारण शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों पर इसका असर पड़ रहा है। विश्वविद्यालयों में हर वर्ष शिक्षकों और कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने से रिक्त पदों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन

बिहार के विश्वविद्यालयों में अतिथि प्राध्यापकों की पीड़ा: शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ फिर भी उपेक्षित

प्रातः किरण संवाददाता

आरा।। बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यरत लगभग 2500 अतिथि प्राध्यापक पिछले सात वर्षों से अधिक समय से उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। शिक्षकों की भारी कमी के बीच स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई, परीक्षाओं का संचालन, मूल्यांकन तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ बड़े पैमाने पर अतिथि प्राध्यापकों के भरोसे बंधावृत्त हो रही हैं। इसके बावजूद उन्हें आज तक स्थायी शिक्षकों के समान वेतन, सेवा सुरक्षा और सम्मानजनक सुविधाएँ प्राप्त नहीं हो सकी हैं।राज्य के कई विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के स्वीकृत पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं। ऐसे में अस्थायी व्यवस्था के तहत नियुक्त किए गए अतिथि प्राध्यापक अब शिक्षा व्यवस्था की स्थायी आवश्यकता बन चुके हैं। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि वे नियमित शिक्षकों की तरह सभी दायित्व निभाते हैं, लेकिन उन्हें न तो समान वेतन मिलता है और न ही भविष्य की कोई सुरक्षा सुनिश्चित है। कई बार मानदेय के भुगतान में

देरी होने से आर्थिक कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है। बिहार राज्य अतिथि प्राध्यापक संघ के संयोजक डॉ. आदित्य कुमार आनंद ने आरोप लगाया कि सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन समय-समय पर उनकी समस्याओं के समाधान नहीं किया गया तो इसका सीधा असर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ सकता है। जिन शिक्षकों के कंधों पर विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था टिकी हुई है, उन्हें अप्रत्याशित और अनिश्चितता के माहौल में कार्य करने के लिए मजबूर करना शिक्षा व्यवस्था के लिए चिंताजनक स्थिति है।अतिथि प्राध्यापक अब सरकार से यह सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर कब तक वे अस्थायी व्यवस्था का हिस्सा बने रहेंगे। वर्षों की सेवा के बाद वे सम्मान, स्वायत्तिय और न्यायपूर्ण अधिकारों की अपेक्षा कर रहे हैं। उनका कहना है कि शिक्षा के मंदिरों को चलाने वाले शिक्षकों के साथ न्याय करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। फिलहाल बिहार के हजारों अतिथि शिक्षक अपने बेहतर भविष्य के नियमितोत्तरण की उम्मीद में सरकार की ओर देख रहे हैं।

जगदीशपुर नगर में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की बैठक संपन्न हुई

विश्व हिंदू परिषद के केन्द्रीय मंत्री श्री अम्बरीष जी एवं पटना क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री आनंद जी का कार्यकताओं को मार्गदर्शन मिला। बैठक में जिला, प्रखंड, नगर,खंड स्तर के समिति का विस्तार, दायित्व बोध की जानकारी, बैठक का सूचना, बैठक पद्धति, प्रांत स्तर पर कार्यक्रम , प्रत्येक जिला में विश्व हिंदू परिषद का 62वां स्थापना दिवस कार्यक्रम एवं आगामी कार्यक्रम संपादन विस्तार पर चर्चा, धर्मांतरण, लव-जिहाद, लैंड जिहाद, गौरक्षा,सेवा,समरसता, नियमित मिलन केन्द्र का संचालन,

हुनुमान चालीसा का पाठ,बलोपासना केन्द्र, अखंड भारत संकल्प दिवस, हिन्दू समाज की व्यवसाय को प्रोत्साहन, साधु सतों का बैठक, विद्यालय एवं कोचिंग संस्थान में संपर्क, अचर्क पुरोहित, सप्ताहिक बैठक, माननीय अशोक सिंगल जी का शताब्दी वर्ष, अधिकारी प्रवास, जैसे विषयों पर गंभीरता के साथ चर्चा हुआ एवं आए हुए अधिकारियों का ऐतिहासिक वीर कुंवर सिंह किला का भ्रमण कराया गया । बैठक एवं कार्यक्रम के दौरान प्रांत सहस्रतंस प्रमुख ईश्वर दलाल, सत्संग प्रमुख

रमेश मिश्रा, बजरंग दल प्रांत मिलन केन्द्र प्रमुख उपेन्द्र बजरंगी, प्रचार प्रसार प्रांत टोली सत्यरूप चेतन मिश्रा, बजरंग दल भोजपुर विभाग संयोजक, मोनू निराला भोजपुर जिला अध्यक्ष राजीव रंजन जी, जिला मंत्री अभिषेक चौरसिया, जिला कोषाध्यक्ष विमल किशोर पाठक,बक्सर जिला अध्यक्ष - डॉ सिद्धन्ता नाथ सिंह,सह मंत्री - सुशील सिंह,उपाध्यक्ष - संजय सिंह मीडिया प्रभारी संतोष ओझा, बजरंग दल जिला भोजपुर संयोजक अमित पांडेय, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख रवि राकेश शर्मा आदि थे।

बड़ी वारदात की साजिश नाकाम, हथियार के साथ छह युवक गिरफ्तार

■ महदूही काली मंदिर के पास छापेमारी, देसी पिस्टल व कारतूस बरामद

बड़हरा। सिन्हा थाना पुलिस ने एक संभावित बड़ी आपराधिक घटना को समय रहते विफल करते हुए छह युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के महदूही गांव स्थित काली मंदिर के समीप गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर आरोपितों को हथियार और वाहन के साथ दबोच लिया।पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक काली मंदिर के पास एक होकर किसी गंभीर अपराधिक कार्रवाई को योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद सिन्हा थाना पुलिस ने सशस्त्र बल के साथ मौके पर घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस टीम को देखते ही युवक भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन जवानों ने तत्परता दिखाते हुए सभी को पकड़ लिया। गिरफ्तार युवकों में बड़हरा थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी रजनीश कुमार, नंदू कुमार और दुर्गेश कुमार तथा सिन्हा थाना क्षेत्र के महदूही गांव निवासी चंदन कुमार उर्फ हर्ष राज कुमार, प्रियांशु कुमार और गोविंद पासवान शामिल हैं। तलाशी के दौरान उनके पास मौजूद स्क्रॉपी वाहन से एक देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। हथियार के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया तथा वाहन को जब्त कर लिया। इस मामले में सिन्हा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपित किस वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे तथा उनके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अपराध निवंत्रण की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है।

वारदात की साजिश नाकाम, देसी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

आरा। भोजपुर पुलिस ने एक बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की साजिश को विफल करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज के द्वारा बताया गया कि करनमपुर थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक लोड्डे देसी कट्टा, सात जिंदा कारतूस, एक मोटरसाइकिल तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, करनमपुर थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर दो युवकों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से एक लोड्डे देसी कट्टा और सात जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके अनुरूप थाना क्षेत्र के गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान करनमपुर थाना क्षेत्र के सोनवर्षा निवासी 28 वर्षीय गंगासागर यादव तथा लालू का डेरा निवासी 27 वर्षीय रविंद्र कुमार यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। भोजपुर पुलिस अधीक्षक का कहना है कि प्रारंभिक जांच में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की साजिश की आशंका सामने आई है। मामले की गहन जांच की जा रही है तथा गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पीरो में सम्राट अशोक भवन निर्माण का मार्ग प्रशस्त

आरा। पीरो नगर क्षेत्र में सभा-समारोह या ऐसे ही अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रस्तावित सम्राट अशोक भवन के निर्माण को लेकर नगर व आवास विभाग से प्राक्कलन पर तकनीकी स्वीकृति तथा परिणाम विपत्र का अनुमोदन प्राप्त हो जाने के बाद इसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसके पूर्व अंचलाधिकारी पीरो द्वारा प्रस्तावित सम्राट अशोक भवन के लिए नगर के लोहिया चौक के समीप अनावाद बिहार सरकार की के खाता 1409, खेसरा 1424 में 11 एकड़ जमीन उपलब्ध कराते हुए अनापति प्रमाण पत्र निर्गत किया जा चुका है। बता दें कि यहां सम्राट अशोक भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास दिसम्बर 2023 में ही तत्कालीन जिलाधिकारी राज कुमार व उप विकास आयुक्त निरमल वीरकर द्वारा किया गया था लेकिन तकनीकी पेंच के कारण निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो पाया था। इसको लेकर नगर परिषद सभापति किरण देवी लगातार अप्रसन्न थी। उनके द्वारा जिला विकास समन्वय समिति (दिशा) की बैठकों सहित कई अन्य मौके पर वरीय अधिकारियों के समक्ष प्रस्तावित सम्राट अशोक भवन निर्माण का मामला प्रमुखता से उठाया जाता रहा। पिछले दिनों उन्होंने नगर विकास व आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्र से मिलकर यह मामला उठाया तब जाकर विभाग से सम्राट अशोक भवन निर्माण हेतु प्राक्कलन को प्रशासनिक स्वीकृति व परिणाम विपत्र पर अनुमोदन प्रदान किया गया। सभापति किरण उपाध्याय के अनुसार यहां सम्राट अशोक भवन के लिए 1,66,43540 एक करोड़ छियासठ लाख तैतालिस हजार पांच सौ चालीस रुपये रुपए के प्राक्कलन को तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई है।

राजस्व वसूली में वित्तीय वर्ष 2025-26 में बनाया नया कीर्तिमान,मिला सम्मान

● परिवहन विभाग ने निर्धारित लक्ष्य से डेढ़ गुना राजस्व संग्रह, राज्य स्तर पर मिली सराहना

● उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अधिकारियों और कर्मियों को किया गया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। जिला परिवहन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व संग्रह और कर वसूली के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विभाग ने निर्धारित लक्ष्य की तुलना में शत-प्रतिशत से कहीं अधिक करीब डेढ़ सौ फीसदी राजस्व अर्जित कर राज्य स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। बेहतर प्रवर्तन (इंफोसमेंट) कार्यों और राजस्व वृद्धि में उत्कृष्ट योगदान के लिए विभागीय



अधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित भी किया गया है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिला परिवहन कार्यालय को 2097 लाख रुपये राजस्व संग्रह का लक्ष्य दिया गया था। इसके विरुद्ध विभाग ने करीब 3926 लाख रुपये से अधिक की राजस्व प्राप्ति कर लगभग डेढ़ सौ प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया। यह राशि वाहन कर, परमिट शुल्क

तथा यातायात नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामलों में लगाए गए ई-चालान के माध्यम से प्राप्त हुई है। डीटीओ राजेश कुमार के नेतृत्व में विभाग ने राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करते हुए राज्य के राजस्व संग्रह में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभाग की इस उपलब्धि को विहार में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों में गया जिला को पांचवे स्थान

अनिल कुमार सिन्हा उर्फ रूपक सिन्हा वरिष्ठ छायाकार को उप महाप्रबंधक द्वारा सम्मानित किया गया



प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।भारतीय स्टेट बैंक, मेन ब्रांच, गया जी में कस्टमर मीट कार्यक्रम अन्तर्गत विशेष रूप से आमंत्रित कर सेवा निवृत्त कर्मी अनिल कुमार सिन्हा उर्फ रूपक सिन्हा (वरिष्ठ छायाकार) को उप महाप्रबंधक, गया प्रक्षेत्र थना राम सोलंकी द्वारा पुष्पगुच्छ और शाल एवं अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया है.इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक निर्मल कुमार, मुख्य प्रबंधक, मेन ब्रांच, गया जी रूबी कुमारी सहित कई पदाधिकारी -कर्मचारी मौजद थे. कार्यक्रम के दौरान एस बी आई बिहार एवं झारखंड के विभिन्न कार्यालयों मसलन लोकल हेड ऑफिस पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, मधेपुरा, राँची, धनबाद,देवघर के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा विडिओ कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने विशिष्ट ग्राहकों के साथ जुड़े थे. महाप्रबंधक ने एस बी आई द्वारा अपने ग्राहकों को दी जा रही ऑनलाइन विशेष सुविधा की जानकारी साझा करते हुए साइबर फ्राइम से बचने के उपाय और जागरूकता पर विशेष जोर दिया. साथ ही विशिष्ट आमंत्रित कस्टमर के अनुभव और सुझावों को सुना और अधिक से अधिक अपने कस्टमर विशेषकर पेंशनर्स और वरिष्ठ नागरिकों को स्पेशल सुविधा देने की बात दोहराई है।

वीर परिवार सहायता योजना पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (ठअच्छरअ) की वीर परिवार सहायता योजना के तहत आज जिला कुमार मलिक के निर्देशानुसार किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वीर सैनिकों के परिवारों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों को निःशुल्क विधिक सहायता, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तथा उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर प्रतिभागियों को वीर परिवार सहायता योजना के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, सहायता



तंत्र तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है। जागरूकता सत्र में पैनल अधिवक्ता आखिलानन्द मिश्रा ने वीर सैनिकों एवं उनके परिवारों के लिए उपलब्ध विधिक अधिकारों तथा निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला है। पारा विधिक स्वयंसेवक परमानन्द सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकारों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं शिकायत निवारण प्रक्रिया की

प्रारंभिक देवनागरी लिपि की दुर्लभ पांडुलिपियां ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण



प्रात : किरण संवाददाता

मकसुदपुरगढ़, खिजरसराय गया। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ज्ञान भारतम्परियोजना के अंतर्गत प्राचीन ज्ञान-संपदा के संरक्षण की दिशा में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नगर स्थित नलिनी सिंह के महल में संरक्षित दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपियों के संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण हेतु जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुरभि बाला तथा नव नालंदा महाविहार की विशेषज्ञ टीम ने पुस्तकालय का निरीक्षण कर प्रारंभिक सर्वेक्षण किया है।इस अवसर पर नव नालंदा महाविहार के सहायक प्राध्यापक डॉ. अतुल वर्मा एवं अनुजा कुमारी ने उपलब्ध प्राचीन ग्रंथों की वर्तमान स्थिति, ऐतिहासिक महत्व तथा संरक्षण की संभावनाओं का गहन अध्ययन किया है।इस निरीक्षण के दौरान लगभग 700 वर्ष प्राचीन कई हस्तलिखित ग्रंथ प्राप्त हुए, जिनमें प्रारंभिक देवनागरी लिपि में लिखित महत्वपूर्ण पांडुलिपियां भी शामिल हैं। साथ ही कुछ हस्तलिखित प्रारूप भी मिले, जिन्हें विशेषज्ञों ने शोध एवं इतिहास की दृष्टि से अत्यंत मूल्यवान बताया है। अनुजा कुमारी ने जानकारी दी कि नव नालंदा महाविहार के अंतर्गत दिसंबर 2025 में पांडुलिपि संरक्षण हेतु क्लस्टर केन्द्र की स्थापना की गई थी। बिहार में यह अपनी तरह का एकमात्र केन्द्र है, जिसके माध्यम से पांडुलिपियों के संरक्षण, सर्वेक्षण एवं अभिलेखीकरण का कार्य किया जा रहा है। गया जिले में इस परियोजना के प्रभावी संचालन की जिम्मेदारी जिला संस्कृति अधिकारी सुरभि बाला एवं नव नालंदा महाविहार की टीम को सौंपी गई है।

ने इसे टीम वर्क का परिणाम बताते हुए भविष्य में भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। समीक्षा बैठक में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन पर दिया गया जोर जिला परिवहन कार्यालय में गुरुवार को डीटीओ राजेश कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति, भुगतान और विभिन्न परिवहन सेवाओं में आसानी हुई। इसके साथ ही ओवरलॉडिंग करने वाले तथा बिना कर भुगतान के सड़क पर चलने वाले वाहनों के खिलाफ लगातार सख्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया। उत्कृष्ट कार्य निष्पादन और राजस्व वृद्धि में अहम योगदान देने के लिए मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) सुनील कुमार, अवर प्रवर्तन निरीक्षक राजीव कुमार तथा अशोक कुमार पासवान को विभागी की ओर से सम्मानित किया गया। डीटीओ राजेश कुमार

ने इसे टीम वर्क का परिणाम बताते हुए भविष्य में भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। समीक्षा बैठक में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन पर दिया गया जोर जिला परिवहन कार्यालय में गुरुवार को डीटीओ राजेश कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति, भुगतान और विभिन्न परिवहन सेवाओं में आसानी हुई। इसके साथ ही ओवरलॉडिंग करने वाले तथा बिना कर भुगतान के सड़क पर चलने वाले वाहनों के खिलाफ लगातार सख्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया। उत्कृष्ट कार्य निष्पादन और राजस्व वृद्धि में अहम योगदान देने के लिए मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) सुनील कुमार, अवर प्रवर्तन निरीक्षक राजीव कुमार तथा अशोक कुमार पासवान को विभागी की ओर से सम्मानित किया गया। डीटीओ राजेश कुमार

कर्तव्य, अनुशासन और नेतृत्व की मिसाल बने आईजी विकास वैभव : डॉ. निर्मल कुशवाहा ने किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। जदयू के वरिष्ठ नेता एवं शाहाबाद क्षेत्र के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. निर्मल कुशवाहा ने मगध रंज के पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ. कुशवाहा ने कहा कि आईजी विकास वैभव कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और प्रभावी नेतृत्व के सशक्त प्रतीक हैं। समाज की सुरक्षा और सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाती है। से जुड़ रहे हजारों लोग डॉ. कुशवाहा ने बताया कि विकास वैभव द्वारा शुरू किया गया अभियान अब बिहार से निकलकर देशभर में प्रेरणा का केंद्र बन गया है। इस अभियान से बड़ी संख्या में युवा, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता जुड़कर शिक्षा, जागरूकता और जनसेवा के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। गार्गी पाठशालाह से अंतिम पॉक्त तक शिक्षा उन्होंने कहा कि विकास वैभव की पहल पर चल रही गार्गी पाठशाला वंचित

आवश्यकता पर बल दिया है। इस अवसर पर वीर कमांडर सदीप कुमार, राज बलराम कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मचारी अनिल कुमार तथा बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रित उपस्थित रहे हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया के सचिव अरविंद कुमार दास ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की यह योजना वीर सैनिकों एवं उनके परिवारों को न्याय एवं विधिक सहायता से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी पात्र लाभार्थियों से जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही नि-शुल्क विधिक सेवाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया है। इस कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के पदाधिकारीगण, पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रितों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

जिले के चार परीक्षा केन्द्रों पर केंद्रीय चयन पर्षद सिपाही भर्ती परीक्षा ली जाएगी

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) परीक्षा के निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन हेतु जिला प्रशासन की व्यापक तैयारी, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को दिया गया आवश्यक मार्गदर्शन केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) ,बिहार, पटना द्वारा मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अंतर्गत मद्य निषेध सिपाही गृह विभाग (कारा) के अंतर्गत कक्षपाल तथा परिवहन विभाग के अंतर्गत चलंत दस्ता सिपाही पदों पर नियुक्ति हेतु प्रारंभिक लिखित प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन 14 जून 2026 (रविवार) एवं 17 जून 2026 (बुधवार) को दो पालियों में किया जाएगा। प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाह्न 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा के स्वच्छ, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियों पूर्ण कर ली गई हैं। दण्ड के चार परीक्षा केन्द्रों पर स्टैटिक दण्डाधिकारी -सह-प्रेक्षक, जोनल दण्डाधिकारी -सह-समन्वय प्रेक्षक, उ डनदस्ता दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या

महामंत्री नितिन अभिषेक एवं प्रदेश मंत्री पद पर सुषमा साहू के भव्य सम्मान समारोह का किया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। गया जी जिला तैलिक साहु सभा के जिला अध्यक्ष अजय साव ने बताया कि गया कि बिहार भाजपा द्वारा प्रदेश महामंत्री पद पर नितिन अभिषेक एवं प्रदेश मंत्री पद पर सुषमा साहू के सम्मान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन रविवार किया जाएगा। यह कार्यक्रम दिनांक 14-06-2026 को दोपहर 2:00 बजे तैलिक भवन, टेकारी रोड, गया जी में आयोजित होगा। दोनों सम्मानित व्यक्तित्वों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी जाएगी तथा उनके सम्मान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शनिवार को तुफानी जनसमपर्क किया गया है । इस साथ ही कार्यक्रम



की तैयारी हेतु विभिन्न समितियों के गठन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। गया जी जिला तैलिक सभा सभी समाजबधुओं, पदाधिकारियों, युवाओं एवं महिलाओं

से विनम्र आग्रह करती है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर नितिन अभिषेक एवं रशुषुमा साहू का सम्मान करें तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

शेरघाटी में 12 साल बेमिसाल अभियान के तहत प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित

शेरघाटी। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पूरे देश में चलाए जा रहे 12 साल बेमिसाल अभियान के तहत शेरघाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व तथा कला संस्कृति मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने संबोधित किया। उन्होंने केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। मंत्रो ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है ।

भाकपा माले जिला कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

अरवल। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत भादसी में भाकपा माले जिला कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला सचिव जितेंद्र यादव ने की। बैठक में केन्द्रीय कमेटी के सकृत्तर पर गहन चर्चा की गई। भाकपा माले के पूर्व विधायक कॉ. महानंद सिंह ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, लोकतांत्रिक अधिकारों पर लगातार हमले और फासीवादी नीतियों के खिलाफ जनसंघर्ष को तेज करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार योजनाबद्ध तरीके से लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है और जनविरोधी नीतियों को लागू कर रही है, जिसके खिलाफ व्यापक जनआंदोलन खड़ा करना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि बदलते राजनीतिक हालात में जनता के बीच गहरी पैठ बनाकर ही संघर्ष को मजबूत किया जा सकता है, इसलिए गांव-गांव संगठन विस्तार और जनसंगठनों को सक्रिय करना प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में जन संगठनों के सदस्यता अभियान को तेज करने का निर्णय लिया गया, ताकि मजदूरों, किसानों, छात्रों और युवाओं की आवाज को संगठित कर मजबूती से उठाया जा सके। बैठक में आगामी 28 जुलाई को क्रांतिकारी नेता चारु मजुमदार के शहादत दिवस को व्यापक स्तर पर मनाने का फैसला लिया गया। इस अवसर पर जनसभाएँ, जुलूस और जनसपर्क अभियान चलाकर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जनता के हक और अधिकार की लड़ाई को और तेज किया जाएगा तथा हर स्तर पर संघर्ष को धार दी जाएगी। बैठक में अरवल प्रखंड सचिव कॉ. महेंद्र प्रसाद, कलेक्टर प्रखंड सचिव कॉ. उमेश पासवान, कर्मचारी प्रखंड सचिव कॉ. मिथलेश कुमार यादव, वंशी प्रखंड सचिव कॉ। राजेश्वरी यादव,नगर सचिव नंदकिशोर कुमार, जिला कमेटी सदस्य निधुज शर्मा, डॉ। जगदीश यादव,शह साद, जमीला खातून, लीला वर्मा,उपेंद्र पासवान , नीतीश कुमार,सुबेब आलम सहित सभी जिला कमेटी सदस्य उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा खेत बचाओ अभियान के तहत प्राकृतिक खेती एवं मृदा स्वास्थ्य संरक्षण पर विशेष प्रशिक्षण आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

गया। कृषि विज्ञान केंद्र, मानपुर द्वारा खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत ग्राम महुवार, नवादा, प्रखंड मानपुर में किसानों के लिए प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि एवं मृदा स्वास्थ्य संरक्षण विषय पर एक विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खेती, जैव उर्वरकों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, मिट्टी के स्वास्थ्य संरक्षण तथा कम लागत में टिकाऊ खेती के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में किसानों, विशेषकर महिला किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा वैज्ञानिकों द्वारा दी गई जानकारी को गंभीरता से सुना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित डॉ. अभय मानकर, उपनिदेशक प्रशिक्षण, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में खेती में बढ़ती लागत एवं मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति किसानों के

लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती एवं जैविक कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर देते हुए बताया कि जीवामृत, बीजामृत, जैव जीवामृत, जैव उर्वरकों एवं प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से खेती को कम खर्चीला एवं अधिक टिकाऊ बनाया जा सकता है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से बचने तथा वैज्ञानिक सलाह को अनुरूप संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, अभियंता मनोज कुमार राय ने कहा कि बदलते जलवायु परिचय में खेती को लाभकारी बनाए रखने के लिए मिट्टी, पानी एवं जैविक संसाधनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए वैज्ञानिक खेती तकनीकों को अपनाने तथा मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। इस कार्यक्रम में पशु विज्ञान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार

रवि ने कृषि एवं पशुपालन आधारित समेकित खेती प्रणाली की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि खेती के साथ पशुपालन अपनाना किसान अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने गोबर एवं गोमूत्र आधारित जैविक उत्पादों के महत्व तथा प्राकृतिक खेती में पशुधन की उपयोगिता पर किसानों को जानकारी दी। वहीं मृदा वैज्ञानिक डॉ. रश्मि प्रियदर्शी ने किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य, मृदा परीक्षण, जैव उर्वरकों (पोसुस, एंजोटीबेक्टर, ट्राइकोडर्मा आदि) के उपयोग, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मृदा कार्बन संरक्षण की विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि लगातार असंतुलित उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे उत्पादन क्षमता में कमी आती है। इसलिए किसानों को नियमित रूप से मिट्टी जांच कराना आवश्यकता अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन के साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी लंबे समय तक बनी रहे है।

सैनिकों के परिजनों को भी विधिक सहायता



औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के बैनर तले प्राथमिक विद्यालय उडु फैसमर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता पैनल अधिवक्ता गोविंद कुमार सिंह ने किया और संचालन पारा विधिक स्वयं सेवक विनय कुमार ने किया। पैनल अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि इस क्रार्यक्रम में पहली बार जिलेवासियों को बताया गया है कि सैनिकों के परिजनों के लिए वीर परिवार सहायता योजना 2025 काफ़ी लाभप्रद है। जिसके तहत भारतीय सेना, अन्ध सैनिक बलों के जवानों पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के समर्थन में इस योजना के लाभ के योग्य लोगों के लिए कानूनी सहायता और कार्यवाही के लिए लोगों के बीच जागरूकता फैलाई गई है ताकि अधिक से अधिक लोग लाभ ले सकें। लोगों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के विभिन्न विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम की सराहना किया। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने आगे बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के सचिव न्यायधीश तान्या पटेल के निदेश पर 14 जून को प्राथमिक विद्यालय हजारी कान्हा, 21 जून को उर्दू विद्यालय काजी कर्मा चक्र जम्होर और 28 जून को उच्च विद्यालय बेलसारा देव में विभिन्न विषयों पर जागरूकता शिविर आयोजित कर आम लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर मुखिया वृजमोहन यादव, गुड्डा यादव, हीरा यादव, उदय कुमार सिंह, पप्पू कुमार, मालती देवी, पुनम देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चंद्रपुर की सावली तहसील में 30 हाथियों का डेरा



इलाके के घने जंगल में पहुंच गया है। चूकि झुंड अभी जंगल में ही है, इसलिए आसपास के गांवों, खेतों और मानव बस्तियों के मद्देनजर मानव-हाथी संघर्ष की संभावना बढ़ गई है। इस बीच बताया जा रहा है कि शुक्रवार को वनविभाग ने एक उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें इन हाथियों के प्रबंधन व नियंत्रण के बारे में अगली रणनीति बनाने का निर्णय हुआ। वनविभाग ड्रोन, पेट्रोल टीम और स्थानीय कर्मचारियों के जरिए हाथियों की हलचलों पर लगातार नजर रख रहा है। सावली के वनपरिक्षेत्र अधिकारी विनोद धुर्वे के मुताबिक, इतने बड़े झुंड को नियंत्रित करना और तुरंत वापस भेजना मुमकिन नहीं है। वनविभाग का मुख्य उद्देश्य उनकी हलचलों पर नजर रखना और लोगों को सतर्क करना है। हाथियों की बढ़ती हलचल को देखते हुए, शुक्रवार को जिलाधिकारी, मुख्य वनसंरक्षक ने ब्रह्मपुरी में ड्रोन कैमरे से हाथियों के झुंड का अवलोकन किया, ऐसी जानकारी है। वनसंरक्षक, सीईओ, एसडीओ, तहसीलदार और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में हाथियों की हलचल, लोगों की सुरक्षा के उपाय, फसल हानि, लोगों में जागरूकता और अगली कार्रवाई की योजना पर चर्चा की गई है। पिछले दो हफ्तों से सावली में हाथी लगातार घूम रहे हैं और वन प्रशासन उनकी हर हरकत पर नजर रखे हुए है। बताया जाता है कि 30 हाथियों के झुंड का सुरक्षित प्रबंधन, मानव-हाथी संघर्ष से बचना, फसल नुकसान कम करना, 3 संवेदनशील चंद्रपुर गांवों में निगरानी बढ़ाना, संबंधित इलाके में वनविभाग की पेट्रोलिंग बढ़ाना, झुंड को कुदरती तरीकों से वापस जंगल भेजने के लिए सही हलालत बनाना आदि अहम मुद्दों पर चर्चा हुई परंतु वास्तव में इस दिशा में कौनसे कदम उठाए गए हैं? इस बारे में आधिकारिक ब्योरा नहीं मिल सका।

पाकिस्तान को सिंधु का एक बूंद भी पानी नहीं

हैदराबाद, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान और उसे बढ़ावा देने वाले तत्वों पर तीखा हमला बोला है। हैदराबाद में तेलंगाना भाजपा द्वारा आयोजित एक बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ किया कि एनडीए सरकार आतंकवाद को प्रायोजित करने वालों तक सिंधु नदी का पानी किसी भी कीमत पर नहीं पहुंचाने देगी। रक्षा मंत्री ने हालिया सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि जो लोग शांति और सद्भाव की भाषा नहीं समझते उन्हें उनकी ही भाषा में कैसे जवाब दिया जाता है। राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर और सैनिकों की बहादुरी पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी नेताओं की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यदि भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले किए गए तो पाकिस्तान को अनाज और पानी की आपूर्ति रोक दी जाएगी। पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ‘पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल समझौते को निलंबित करके हमने साफ कह दिया था कि जिनके आसू सुख चुके हैं, वे हमसे पानी की उम्मीद न करें। हम सिंधु के पानी को आतंकवादियों के आकाओं और मानवता के दुश्मनों तक नहीं पहुंचने देंगे।’ भारत के पास वैसीन भी है और ब्रह्मोस भी रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में उभरा है और आपदाओं के समय हमेशा दूसरे देशों की मदद के लिए आगे आया है। कोरैना महामारी के दौरान कई देशों को भारत द्वारा दी गई सहायता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक स्तर पर विश्व बंधु (‘दुनिया का दोस्त’) के रूप में देखा जाता है। हालांकि, उन्होंने दुश्मनों को सचेत करते हुए कहा, ‘भारत के दुश्मनों को यह नहीं भूलना चाहिए कि देश के पास न केवल वैसीन है बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल भी है।’

ईरान ने समझौते में रखीं शर्तें?: लेबनान संघर्ष से होर्मुज में सेवा शुल्क तक, अराघची ने सब गिना दिया

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया संघर्ष का टनीतिक हल खोजने की कोशिशें कामयाब होती नजर । रही हैं। अमेरिका और ईरान की ओर से शांति समझौते । लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इस च ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है ः अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते में श्रान के परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत और होर्मुज लडमरूमध्य की स्थिति समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों को मिल किया जाएगा।

ईरान की सरकारी मीडिया इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ आर्न ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईवी) के अनुसार ब्बास अराघची ने कहा कि यह समझौता दो चरणों में गा। उन्होंने बताया कि पहले चरण में परमाणु मुदे पर चां नहीं हुई और इसे दूसरे चरण के लिए टाल दिया ग। है। अब्बास अराघची ने किन शर्तों को बताया हम? ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि अगर समझौते में मिल प्रावधानों का पालन नहीं किया गया तो अंतिम मझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए जाएंगे। अराघची ने कहा, र्मझौते में सबसे पहले अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी

1971 करोड़ का मेगा प्लान, प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति; 2722 नए कैमरे भी लगेंगे

गुरुग्राम, एजेंसी। वायु प्रदूषण और सड़क धूल पर नियंत्रण के लिए गुरुग्राम में सड़क सुधार कार्य किए जाएंगे। इसके तहत 726.54 किलोमीटर सड़क नेटवर्क के पुनर्विकास पर लगभग 1971 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वर्ष 2026 के दौरान 495 किलोमीटर सड़कों के सुधार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 195 किलोमीटर से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है। यह जानकारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की समीक्षा बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने दी। सड़कों पर जमा धूल को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम द्वारा 20 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें संचालित की जा रही हैं। ये मशीनें प्रतिदिन 600 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र की सफाई कर रही हैं।

वर्तमान में 404.61 किलोमीटर सड़क नेटवर्क को मैकेनिकल स्वीपिंग के दायरे में लाया जा चुका है। अतिरिक्त मशीनों की खरीद प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। शहर में ट्रैफिक जाम कम करने के लिए वर्ष 2026 के दौरान 32 ट्रैफिक कंजेशन हॉटस्पॉट्स को सुधारने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम तिमाही में चार प्रमुख स्थानों पर डी-कंजेशन कार्य पूरा किया जा चुका है। अधिकारियों का

बेरोजगार होने पर भी पुरुष को देना होगा बच्चों का भरण-पोषण, बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा आदेश

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक पिता को अपने बेटे और बेटी को हर महीने गुजारा- भता देने का आदेश देते हुए कहा है कि कोई व्यक्ति सिर्फ बेरोजगार होने का हवाला देकर अपने बच्चों के प्रति अपनी कानूनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच एक ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उसे अपने बच्चों को गुजारा-भता देने के लिए कहा गया था।

अमरावती के बुलढाणा के रहने वाले इस व्यक्ति को हर महीने कुल 8,000 रुपये का गुजारा-भता देने के लिए कहा गया, जिसमें से 4,000 रुपये उसके बेटे की और 4,000 रुपये उसकी बेटी को देने थे। उन्होंने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया और तर्क दिया कि वे अभी बेरोजगार हैं और अपने बच्चों को आर्थिक सहायता देने में असमर्थ हैं। उसने दावा किया कि उसने अपना ऑटो-रिक्शा भी बेच दिया था, जो उसकी कमाई का एकमात्र जरिया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। पीट ने कहा कि बच्चों का पालन-पोषण और भरण-पोषण करना पिता की कानूनी और व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। अदालत ने कहा कि उसके 10 और 7 साल के बच्चों की परवरिश और भविष्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि बेरोजगारी या कम आय बच्चों के प्रति जिम्मेदारी से बचने का कोई जायज आधार नहीं हो सकता।

जलवायु संकट: तेजी से बढ़ता तापमान 2030 तक तोड़ देगा 1.5 डिग्री की सीमा, रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची धरती की गर्मी

लंदन/जिनेवा, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी पहले से कहीं अधिक तेजी से गर्म हो रही है। यदि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन मौजूदा गति से जारी रहा तो 2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस की महत्वपूर्ण सीमा पार कर सकता है। इसका गंभीर असर समुद्रों, कृषि, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव स्वास्थ्य तक दिखाई देगा।? अर्थ सिस्टम साइंस डेटा में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, 2025 में पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक युग से पहले के स्तर की तुलना में लगभग 1.39 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अतिरिक्त गर्मी का पूरा हिस्सा मानवजनित गतिविधियों से पैदा हुआ है। जीवाश्म ईंधन का व्यापक उपयोग, उद्योगों से निकलने वाला कार्बन प्रदूषण और बड़े पैमाने पर वनों की कटाई इसके प्रमुख कारण हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में तापमान वृद्धि की रफ्तार पहले के दशकों की तुलना में और तेज हुई है। यही वजह है कि अब 1.5 डिग्री की सीमा पार होने की आशंका पहले से अधिक वास्तविक दिखाई दे रही है। 20 15 में हुए पेरिस जलवायु समझौते में दुनिया के देशों ने यह लक्ष्य तय किया था कि वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे रखा जाए और संभव हो तो इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए। वैज्ञानिकों का मानना ​​है कि इस सीमा के भीतर रहने से जलवायु परिवर्तन के सबसे विनाशकारी प्रभावों को काफी हद तक रोका जा सकता है। समुद्र का तेजी से बढ़ता स्तर तटीय क्षेत्रों के लिए बन रहा खतरा। अध्ययन के अनुसार, 1901 के बाद से वैश्विक समुद्र स्तर लगभग 23 सेंटीमीटर बढ़ चुका है।



भारतीय नाविकों की मौत को लेकर अमेरिका पर लगाए गंभीर आरोप



हटाने का जिक्र किया गया है।' उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहजों से टोल वसूलना संभव नहीं है, लेकिन सेवा शुल्क लिया जाएगा। ईरान को मुआवजा देने की योजना भी इसमें शामिल है।' विदेश मंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी ईरान और ओमान की

हालांकि, संबंधित परमाणु सामग्री को लेकर हमारी स्थिति स्पष्ट है कि अगर इसे कम करने की प्रक्रिया होगी तो वह ईरान के भीतर ही होगी, किसी अन्य देश में नहीं। हम ऐसे लोगों के साथ बातचीत कर रहे हैं जो पूरी तरह समझौते के प्रति प्रतिबद्ध नहीं हैं।

वर्षों से जमा लिगेसी कचरे के निस्तारण का कार्य भी तेजी से चल रहा है। अब तक 37.74 लाख मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण किया जा चुका है। शेष 18.29 लाख मीट्रिक टन कचरे के निस्तारण का लक्ष्य मार्च 2027 तक पूरा करने का रखा गया है। इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) के पहले चरण में 218 स्थानों पर 1200 कैमरे लगाए जा चुके हैं। दूसरे चरण में 258 स्थानों पर 2722 अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। इससे ट्रैफिक प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

93 टीमें कर रही निगरानी-खुले में कचरा जलाने और अन्य प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने 93 विशेष निगरानी एवं चालान टीमों को तैनात किया है। ये टीमें नियमित निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि सड़क सुधार, कचरा प्रबंधन, ट्रैफिक डी-कंजेशन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से शहर की वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है।